सागर रत्न

हिंदी गृह पत्रिका 2017-18

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
(एक मिनिरत्न सूचीबद्ध कंपनी)
(A MINIRATNA LISTED COMPANY)
भारत सरकार का उद्यम A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE

संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण
09.11.2017

सागर रत्न

हिंदी गृह पत्रिका 2017-18

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
(एक मिनिरत्न सूचीबद्ध कंपनी)
(A MINIRATNA LISTED COMPANY)
भारत सरकार का उद्यम A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE

संपादक मंडल

संरक्षक
श्री मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
श्री एम डी वर्गीस
मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन)

संपादक सदस्य

श्री पी एन संपत्त कुमार
सहायक महा प्रबंधक (प्रशासन)

श्रीमती टी पी गिरिजा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

श्रीमती सरिता जी
सहायक प्रबंधक (हिंदी)

श्रीमती आतिरा आर एस
हिंदी टंकक

पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से कोचीन शिपयार्ड का सहमत होना आवश्यक नहीं है ।

अध्यक्ष की कलम से 01
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 02
नए संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन - अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्र में सीएसएल का प्रवेश 03
सीएसएल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोत मरम्मत सुविधा का शिलान्यास 04
विशिष्ट घटनाएँ ..... 05 - 12
अपने आयकर नियमों को जानें 13
कविता 15
औपचारिक घटनाएँ ..... 16 - 18
कलाकृति 19
पुरस्कार 20
राजभाषा समाचार ..... 23 - 28
देशभक्ति पर अनमोल विचार 29
भेद्यता विश्वास 32
राजस्थान के बिश्नोई समाज 33
कार्यशाला 35
कहानी 36
स्वतंत्रता दिवस 37
सी एस आर 38
नकद पुरस्कार 41
हिंदी पखवाडे में पुरस्कृत लेख ..... 43 - 47
लिफ्ट में दर्पण 48
एक सच्ची घटना 49
रेसिपी 50
जिंदगी के अंदाज 52
आयुर्वेद 53
बाल रचनाएँ 55

अध्यक्ष की कलम से...

मैं आप सभी को और आपके परिवार के सदस्यों को एक खुशहाल, समृद्ध और संतोषप्रद वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

कोचीन शिपयार्ड की राजभाषा पत्रिका 'सागर रत्न' का 10 वाँ अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी महसूस हो रही है। आशा है कि यह आपको एक सुखद वाचन का अनुभव देगा।

बीता हुआ वर्ष कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड केलिए घटनापूर्ण रहा फिर भी हम एकजुट होकर एक मज़बूत टीम के रूप में आगे बढें।

हमने 1800 करोड रु की 310 मी सूखी गोदी की परियोजना का निर्माण शुरु किया है, जो हमारी सबसे बडी और सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है। आई एस आर एफ के 970 करोड रु. का काम व हमारी अन्य प्रमुख विस्तार परियोजना भी अच्छी तरह से प्रगति कर रही है। हमारी नियंत्रित कंपनी, हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (एचसीएसएल) कोलकाता में नए 160 करोड रु. के अंतर्देशीय जल पोत का निर्माण शुरू करने केलिए तैयार हो रही है।

स्वदेशी वायुयान वाहक (आईएसी), अंडमान और निकोबार प्रशासन केलिए चार यात्री पोत और डीआरडीओ पोत का निर्माण कार्य भी अच्छी प्रगति पा रही हैं। पोत मरम्मत में भी, हमारी कंपनी के इतिहास के उच्चतम कारोबार को प्राप्त करने केलिए हम अग्रसर हैं।

मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हम यार्ड के भीतर और बाहर दोनों जगह बहुत ही अच्छे मानवीय संबंध बनाए रखने में सक्षम हैं। कार्मिक हमारी मुख्य संपत्ति है। हम इस बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं और हमें खुशी है कि 'लोक पहले नीति' के तहत हमारे द्वारा अपनाए गए विभिन्न कार्यक्रम जरूरतमंदों तक पहुंच रहे हैं । हिंदी भाषा, हमारी राजभाषा के रूप में हमारे संपर्क और विचारों के आदान - प्रदान में एक प्रमुख कडी है।

दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। बदली हुई भू- राजनीतिक स्थिति में, व्यक्ति को कार्यस्थल में विभिन्न भाषाई समूहों का सामना करना पडता है और यहाँ एक कडी भाषा के रूप में हिंदी का ज्ञान अनिवार्य हो रहा है।

मुझे यह जानकर खुशी होती है कि हमने अपने कर्मचारियों केलिए कोचीन शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी के प्रचार की दिशा में विभिन्न कार्यक्रमों को शुरू करने में कामयाब रहे हैं। हमारे हिंदी कक्ष ने यार्ड के बाहर भी हिंदी के प्रसार को फैलाने, हमारे आसपास के स्कूलों और अपने कर्मचारियों के बच्चों के लाभ केलिए भी काम किए हैं।

नई तकनीकी के आगमन के साथ, हिंदी कार्यान्वयन बहुत चुनौतिपूर्ण हो गया है। हमें इस मुद्दे को बडी गंभीरता से देखने की जरूरत है और समाधान प्रदान करने में समर्थ होना चाहिए। शिपयार्ड के कर्मचारियों के फायदे केलिए यूनिकोड कंप्यूटर में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन इस दिशा में एक अच्छा कदम है।

राजभाषा कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन हेतु भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017-18 केलिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार और पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016-17 और 2017-18 केलिए राजभाषा शील्ड प्राप्त करने में हमें बहुत ही खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। आशा है कि भारत सरकार के हिंदी विभाग, हमारे मंत्रालय के हिंदी विभाग और कोच्ची टॉलिक (पीएसयू) के समर्थन और मार्गदर्शन की बदौलत से, हम भविष्य में भी इसी तरह के पुरस्कार जीतने में सफल रहेंगे।

हिंदी कक्ष को उनके प्रयासों की सराहना करते हुए...

जय हिंद।

मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

यह कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के इतिहास में पहली बार है कि भारत सरकार द्वारा कंपनी को प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। यह पुरस्कार वर्ष 2017-18 के दौरान कंपनी में राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर आधारित है।

ग क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के समूह में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (तृतीय पुरस्कार) के रूप में यह प्राप्त हुआ है। दिनांक 14 सितंबर 2018 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्लीनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि, भारत के माननीय उप राष्ट्रपति, श्री वैंकया नायडु जी के करकमलों से हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री मधु एस नायर ने राजभाषा कीर्ति पुरस्कार स्वीकार किया। भारत के माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी समारोह के अध्यक्ष थे। माननीय गृह राज्य मंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर तथा गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रीजीजू भी इस समारोह में उपस्थित थे। सिडाक, पुने द्वारा विकसित एक सोफ्टवेयर लीला हिंदी प्रवाह का लोकार्पण इस अवसर पर किया गया। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को 14 सितंबर 2018 एक गरिमापूर्ण दिवस था।

विशिष्ट घटनाएं

नए संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन - अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्र में सीएसएल का प्रवेश

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और हुगली डॉक एवं पोर्ट इंजीनियर्स लिमिटेड (एचडीपीईएल) ने एक संयुक्त उद्यम कंपनी - "हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड" (एचसीएसएल) का गठत किया । नए रूप में गठित कंपनी की प्रथम बोर्ड बैठक दिनांक 17 नवंबर 2017 को कोच्ची में आयोजित की गई और माननीय मंत्री श्री नितिन गडकरी और पोत परिवहन मंत्रालय, सीएसएल एवं एचडीपीईएल के वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति में हितधारकों के समझौता ज्ञापन में उसी दिवस पर सीएसएल और एचडीपीईएल ने हस्ताक्षर किया ।

यह 74% : 26% के सीएसएल और एचडीपीईएल के बीच के संयुक्त उद्यम कंपनी एचडीपीईएल के मौजूदा साल्किया और नजीरगंज यूनिटों में करीब 130 करोड रुपए का निवेश करेंगे, जिससे अत्याधुनिक पोत निर्माण सुविधाएं सृजित होंगे, जो भारत तथा पडोसी क्षेत्र दोनों में उभरते अंतर्देशीय जल परिवहन और पोत निर्माण खंड के आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। नए रूप में गठित कंपनी को सीएसएल के प्रौद्योगिकी नेतृत्व और विशेषज्ञता के साथ एचडीपीईएल के भौगोलिक लाभ के मिलाव से भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्र में एक नया युग शुरू होगा। ■

सीएसएल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोत मरम्मत सुविधा का शिलान्यास

श्री नितिन गडकरी, पोत परिवहन मंत्रालय के संघ मंत्री ने दिनांक 17 नवंबर 2017 को 10 बजे आयोजित एक समारोह में सीएसएल के 970 करोड रुपए की पोत मरम्मत परियोजना, अंतर्राष्ट्रीय पोत मरम्मत सुविधा केलिए भूभंजन कार्य किया। श्री ए सी मोयद्दीन, उद्योग, खेलकूद एवं युवा मामले के मंत्री, केरल सरकार, प्रोफ. के वी तोमस, सांसद, श्रीमती सौमिनी जैन, नगराध्यक्षा, श्री हैबी ईडन, विधान सभा सदस्य और के जे मैक्सी, विधान सभा सदस्य इस समारोह के विशिष्ट अतिथि थे ।

अंतर्राष्ट्रीय पोत मरम्मत सुविधा एक अत्याधुनिक सुविधा है कि भारत में छोटे एवं मध्यम आकार के वेसलों का एक बडा हिस्सा संभाल सकते हैं । श्री मधु एस नायर ने अपने भाषण में सबसे पहले आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया और सीएसएल तथा कोचीन पोर्ट केलिए इस परियोजना के महत्व पर मुख्य रूप से प्रकाश डाला ।

श्री नितिन गडकरी, सीएसएल एवं आईएसआरएफ के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कामगारों एवं परियोजना में शामिल विविध हितधारकों सहित अन्य आमंत्रित सभा को संबोधित किया। एक संयुक्त उद्यम गतिविधि प्रारंभ करने केलिए निर्णय लेने हेतु उन्होंने सीएसएल टीम की सराहना की । उन्होंने यह भी बताया कि यह कोचीन शिपयार्ड केलिए विकास के एक नया युग खोलने जा रहा है और कोचीन पोर्ट ट्रस्ट केलिए एक सहायता भी होगा ।

श्री ए सी मोयद्दीन, उद्योग, खेलकूद एवं युवा मामले के मंत्री, केरल सरकार और प्रोफ. के वी तोमस, सांसद, ने अपने भाषण में सीएसएल को लगातार सहायता और मार्गनिदेश की पेशकश की। श्रीमती सौमिनी जैन, नगराध्यक्षा, श्री हैबी ईडन, विधान सभा सदस्य और के जे मैक्सी, विधान सभा सदस्य ने भी इस अवसर पर बात की । ■

विशिष्ट घटनाएं

आईपीओ खबर

प्रस्तावना

वर्ष 2015 के जून महीने में आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडल समिति ने वर्तमान में असूचीबद्ध लाभप्रद पीएसई को आईपीओ के जरिए सूचीकरण केलिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। यह हमारे प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश की लंबी प्रक्रिया के शुरूआत था। समय की बर्बादी से बचने केलिए प्रत्येक गतिविधि की ब्योरेवार योजना अपेक्षित प्रक्रिया बहुत श्रमिक और कठिन थी। हालांकि हमने अपने पाठकों के हित केलिए नीचे दी गई प्रमुख गतिविधियों को लेने की कोशिश की है।

मंत्रिमंडल अनुमोदन और प्रस्ताव

2,26,56,000 फ्रेष इक्विटी शेयर सहित प्रत्येक 10 रुपए अंकित मूल्य वाले 3,39,84,000 इक्विटी शेयरों की जारी के साथ साथ सीएसएल में भारत सरकार के शेयरों में से 1,13,28,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री हेतु आईपीओ प्रस्ताव केलिए औपचारिक मंत्रिमंडल अनुमोदन दिनांक 18 नवंबर 2016 को प्राप्त हुआ था। यह हमारी आईपीओ यात्रा का शुरूआती बिंदु था।

सेबी द्वारा जारी विभिन्न विनियमों के अनुपालन सुनिश्चित करने केलिए सेबी द्वारा मान्य विभिन्न मध्यवर्ती संस्था सहित एक विशिष्ट परियोजना है, आईपीओ। आईपीओ प्रक्रिया को आगे बढाने केलिए हमें 6 प्रमुख मध्यस्थों को नियुक्त करना पडा और मध्यस्थों को हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त) के अलावा डीआईपीएएम और पोत परिवहन मंत्रालय के प्रतिनिधियों सहित आईपीओ समिति द्वारा चयनित और बोर्ड द्वारा अनुमोदित थे। सीएसएल को बीआरएलएम, कानूनी सलाहकारों, रजिस्ट्रारों और मीडिया एजेंसियों के रूप में लेनदेन केलिए सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थों को रस्सी से बांध सका।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के आईपीओ दिनांक 01 अगस्त 2017 को लाइव हो गया और दिनांक 03 अगस्त 2017 को बंद किया गया। बाद में सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार दिनांक 11 अगस्त 2017 को दोनों बीएसई और एनएसई में लिस्टिंग की गई थी।

महत समापन

यह पहली बार है कि एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम शिपयार्ड लिस्टिंग किया जा रहा है। माननीय पोत परिवहन मंत्री जिन्होंने बीएसई में घडियाल बजाने का सम्मान किया जो प्राथमिक स्टॉक एक्सचेंज के रूप में पदांकित किया है, खुद होना हमारा विशेषाधिकार था और 10 बजे को सीएसएल शेयरों का व्यापार शुरू हुआ। ■

विस्तार परियोजनाएं

नई सूखी गोदी

मौजूदा सीएसएल यार्ड के उत्तरी छोर पर 310 मी x 75/60 मी x 13 मी आकार की प्रस्तावित नई सूखी गोदी एलएनजी वेसल, जैक-अप-रिग, ड्रिल शिप, बडे ड्रेजर, द्वितीय देशी वायुयान वाहक जैसे विशेष और तकनीकी रूप से उन्नत बडे जहाजों की मरम्मत/ निर्माण की बाजार क्षमता का लाभ उठाने की कल्पना की गई है और ऑफ्शोर प्लाटफॉर्मों और बडे यानों की मरम्मत अनुसूची के अनुसार प्रगति कर रही है।

इस स्टेप्ड डॉक को 310 मी स्पष्ट लंबाई, व्यापक भाग पर 75 मी और कसे हुए भाग में 60 मीटर चौडाई है। यह स्टेप डॉक के व्यापक भाग में मरम्मत/ निर्माण केलिए रिगों जैसे समुद्री उपकरण और चौडा छोटे यानों तथा लंबे यानों की गोदी की लंबाई को भरने केलिए सक्षम बनाता है। गोदी को 13 मीटर गहराई है और 9.50 मीटर तक का खिंचाव (ड्रैफ्ट) है। सूखी गोदी वायुयान वाहक को 70,000 टी तक डॉकिंग विस्थापन और टैंकरों एवं कैरियर यानों को लगभग 55000 टी तक के डॉकिंग विस्थापन आवश्यकताओं को पूरा करने केलिए डिजाइन किया गया है।

कोचीन शिपयार्ड ने दि. 27 अप्रैल 2018 को मै. लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड को नई सूखी गोदी परियोजना केलिए संयंत्र तथा मशीनरी के निर्माण कार्य केलिए टेर्नकी ठेका प्रदान किया है। सिविल- मेकानिकल- इलैक्ट्रिकल संचालन, नेटवर्कड् सिस्टम और भवन सेवा कार्य सम्मिलित नई सूखी गोदी के विकास केलिए इस टेर्नकी कार्य अपनी स्थापना के बाद सीएसएल द्वारा निष्पादित उच्चतम मूल्यवाले अवसंरचना कार्यों में एक है।

आईएसआरएफ परियोजना

अंतर्राष्ट्रीय पोत मरम्मत सुविधा शिपयार्ड द्वारा फिलहाल आरंभ

की गई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं में एक, निम्नलिखित सुविधाओं से इसे सज्जित करने के उद्देश्य के साथ पूरी तरह से आगे बढ रही है।

प्रस्तावित सुविधाएं

- शिपलिफ्ट - 6000 टन लिफ्टिंग क्षमता, प्लाटफॉर्म आकारः 130 मी x 26 मी
- ट्रान्सफर सिस्टम
- 6 वर्क स्टेशन
- ट्रान्सफर क्षेत्र
- अफ्लोट जेटीस
- क्रेन
- उप केन्द्र, कार्यशाला आदि जैसे संबद्ध सुविधाएं

परियोजना प्रबंधन परामर्शकों ने परियोजना की निगरानी केलिए आईएसआरएफ साइट में अपने स्थानिक ग्रूप को प्रतिनियुक्त किया है। सभी सांविधिक मंजूरियों की प्राप्ति के बाद, ठेकेदार, मै. सिंप्लक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड, कोलकात्ता (एसआईएल), ने साइट में निर्माण गतिविधियां शुरू किया है।

मै. एसआईएल मे बैचिंग प्लांट, साइट कार्यालय, प्रयोगशाला, वेब्रिज, आदि की स्थापना जैसे कार्यों को सक्षम बनाते हुए साइट पूरा किया था। प्री- कास्ट कार्य केलिए तीन गैन्ट्री क्रेनों की स्थापना भी पूरा किया है। पांच हाइड्रॉलिक रिगों को एकत्रित किया है। जमीन की तरफ और समुद्र की तरफ लादने का कार्य प्रगति में है। प्री-कास्टिंग कार्य भी प्रगति में है। कंप्रसर षेड, मुख्य अभिग्राही केन्द्र, असटलीन केन्द्र, उप केन्द्र जैसे संबद्ध सुविधाओं का भी निर्माण किया जा रहा है।

आईएसआरएफ में विद्यमान सूखी गोदी के डॉक गेट प्रतिस्थापन का कार्य भी प्रगति पर है। शीट ढेर का उपयोग करके कोफर्डम का निर्माण किया गया था। विद्यमान डॉक गेटों को विघटित किया गया और उसके बाद नव निर्मित गेटों को प्राथमिक परीक्षण केलिए अस्थायी रूप से स्थापित किए गये थे। ■

रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) केलिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन वेसल

डीआरडीओ केलिए निर्माणाधीन प्रौद्योगिकी प्रदर्शन वेसल का 'निर्माण शुरूआत' दिनांक 15 जुलाई 2017 को सीएसएल में हुआ था।

डॉ जी सतीश रेड्डी, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, समारोह के मुख्य अतिथि ने सम्मान किया। डॉ रेड्डी ने, सभी को संबोधित करते हुए इस जटिल पोत की मील का पत्थर कार्यक्रम प्राप्त करने केलिए सीएसएल की सराहना की।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोचीन शिपयार्ड, अपने स्वागत भाषण में डीआरडीओ और सीएसएल दोनों केलिए इस वेसल के महत्व के बारे में बताया।

डीआरडीओ से डॉ. सुभाष चन्द्र सति, महा निदेशक (एन एस व एम), डॉ (सुश्री) जे मंजुला, महा निदेशक (ईसीएस), श्री यू राजा बाबु, कार्यक्रम निदेशक (पीएचडी), डॉ वाई श्रीनिवास राव, परियोजना निदेशक (पीजीएडी) और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसएल के पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी) और श्री एन वी सुरेष बाबु, निदेशक (प्रचालन), वरिष्ठ अधिकारियां, पर्यवेक्षक और कामगार भी समारोह में उपस्थित थे।

118.4 मीटर लंबाई, 20 मीटर चौडाई और 7.1 मीटर ड्राफ्ट तथा लगभग 3900 टन इस्पात भार होनेवाले पोत अगस्त 2015 में ठेका किया गया था। स्टील प्लेट कट्टिंग के प्रारंभिक मील का पत्थर कार्यक्रम दिनांक 10 अगस्त 2016 को और वेसल के हल ब्लॉकों के मेगा ब्लॉक असेंबली का आरंभ दिनांक 27 जनवरी 2017 को हुआ था। ■

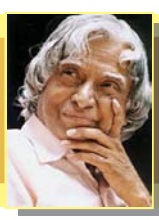

"सपना वो नहीं जो आप नींद में देखें,
सपने वो है जो आपको नींद ही नहीं आने दें।"
डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पोत का जलावतरण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन केलिए निर्माणाधीन प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पोत (पोत 20) का जलावतरण समारोह दिनांक 11 फरवरी 2018 को सीएसएल के निर्माण गोदी में आयोजित किया । डॉ जी सतीष रेड्डी, विख्यात वैज्ञानिक, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं महा निदेशक, मिसाइल्स एवं स्ट्राटजिक सिस्टम्स, डीआरडीओ मुख्यतिथि थे । डॉ जी सतीश रेड्डी की सुपत्नी श्रीमती ए पद्मावती ने पोत पर माल्यार्पण करके और नारियल तोडकर औपचारिक सम्मान किया। इस परियोजना केलिए ठेका दिनांक 11 अगस्त 2015 को प्रदान किया गया । यह पोत, पूर्ति पर 118.4 मी. लंबाई, 20 मीटर चौडाई और 4000 टन के स्टील वजन के साथ 6 मीटर के डिजाइन ड्राफ्ट का होगा । ■

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह केलिए 1200 यात्री वेसलों केलिए प्रथम स्टील प्लेट कट्टिंग समारोह

श्री पोन राधाकृष्णन, पोत परिवहन, सडक परिवहन एवं राजमार्ग के माननीय राज्य मंत्री ने पोत सं. 23 के प्रथम स्टील प्लेट काट दिया और माननीय सांसद श्री एन के प्रेमचंद्रन ने पोत सं. 24 का प्रथम स्टील प्लेट काट दिया । प्लेट कट्टिंग समारोह दिनांक 13 जून 2017 को आयोजित किया गया । ■

" नया भारत - हम करके रहेंगे " - प्रदर्शनी एवं सेमिनार

भारत सरकार के नया पहल नया भारत, हम करके रहेंगे: 2017-2022 के भाग के रूप में पीएमओ ने युवा पीढी को सबसे आगे लाने केलिए विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के साथ मिलकर टीम बनाया है। इसके भाग के रूप में संसद कार्य मंत्रालय और सूचना और प्रसारण मंत्रालय, डीएवीपी की ओर से कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने दिनांक 25 से 29 अगस्त 2017 तक जवाहरलाल नेहरू इंटरनैशनल स्टेडियम, कलूर, कोच्ची में नया भारत- हम करके रहेंगे विषय पर एक प्रदर्शनी एवं सेमिनार आयोजित किया गये था। प्रदर्शनी एवं सेमिनार का उद्घाटन प्रोफेसर के वी तोमस, सासंद द्वारा दिनांक 25 अगस्त 2017 को अपराह्न 5 बजे को जवाहरलाल नेहरू इंटरनैशनल स्टेडियम ग्राउंड में किया गया। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के गीत एवं नाटक प्रभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाया गया। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने आम जनता केलिए एक लक्कि ड्रॉ प्रतियोगिता भी आयोजित किया गया। पांच दिवसीय प्रदर्शनी केलिए प्रतिदिन पांच विजेताओं को चुने गए और जीवन भर में एक बार एक दिन केलिए सीएसएल के अतिथि होने और प्रतिष्ठित संस्थान में मुफ्त दौरा करने तथा इसके देशी वायुयान वाहक और अन्य मूल्यवान यानों को देखने का अवसर दिया गया।

पूरी तरह से डिजिटलीकृत प्रदर्शनी आम जनता केलिए मुफ्त खुली थी और अकादमिक और सामान्य जनता दोनों केलिए स्फूर्तिदायक अनुभव था।

कार्यक्रम में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुडे प्रतिष्ठित व्यक्तियों और विशेषज्ञों को भाग लगाते हुए सेमिनारों और पानल चर्चाएं भी शामिल किया गया। समकालीन भारत के उभरते सामाजिक और राजनीतिक परिदृष्य से निपटानेवाले विभिन्न विषयों पर कई प्रतिष्ठित स्कूलों और कॉलेजो द्वारा सेमिनारों को संचालित किया गया था।

प्रदर्शनी दिनांक 29 अगस्त 2017 को समाप्त हुआ। समापन समारोह जवाहरलाल नेहरू इंटरनैशनल स्टेडियम, कलूर, कोच्ची में आयोजित किया गया।

श्री रिचार्ड हे, माननीय सांसद मुख्य अतिथि थे। एडवोकेट बी राधाकृष्ण मेनन, स्वतंत्र अंशकालिक निदेशक, सीएसएल, डॉ प्रशांत पालक्काप्पल्ली प्रिंसिपल, सेक्रट हार्ट कॉलेज, श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी), सीएसएल, श्री एम डी वर्गीस, महा प्रबंधक, सीएसआर प्रभारी, सीएसएल और श्री एस प्रेमचंद, उप महा प्रबंधक (सिविल) ने भी इस अवसर पर भाषण दिए। ■

अपने आयकर नियमों को जानें

शिथिलनाथ के.जी., उप प्रबंधक (वित्त)

निम्नलिखित सामान्य प्रश्नों के द्वारा, मैं आयकर अधिनियम के मूल अवधारणाओं के बारे में परिज्ञान प्रदान करना चाहता हूँ। मैं इसे जितना आसान कर सकता हूँ उतना आसान बनाने की कोशिश किया है । आप में से कई लोग नीचे सूचित विषयों से पहले ही परिचित होंगे, लेकिन निम्नलिखित बारंबार पूछे जानेवाले प्रश्न करदाताओं, विशेष रूप से वेतनभोगी वर्ग द्वारा पूछे गए मुख्य संदेहों का प्रतिनिधित्व करता है ।

आयकर अधिनियम में पिछला वर्ष और निर्धारण वर्ष क्या-क्या हैं ?

पिछला वर्ष, वित्तीय वर्ष है जिसमें आप आय अर्जित करते हैं। निर्धारण वर्ष जो पिछले वर्ष के बाद तत्काल आता है ।

उदाहरण केलिए, यदि आपको मई, 2018 अर्थात् वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान आय मिलता है, तो, उस आय केलिए पिछला वर्ष 2018-19 होगा और निर्धारण वर्ष 2019-2020 होगा (अर्थात् वर्ष 2018-19 के दौरान आप आय अर्जित की जाती है, लेकिन आपको वित्तीय वर्ष 2019-2020 के दौरान आपके आय का मूल्यांकन करना है, शेष कर अदा करना है और आयकर विवरण फाइल करना है)।

आयकर की दर कैसे निर्धारित की जाती है ?

आयकर की दरों को आयकर अधिनियम में सूचित नहीं किया जाता है। आयकर की दर वित्त अधिनियम द्वारा प्रतिवर्ष नियत की जाती है । (सामान्यतया "बजट" कहा जाता है ।)

सकल कुल आय क्या है ?

एक व्यक्ति का आय निम्नलिखित शीर्षों में अभिकलित किया जाता है :

- वेतन
- गृह संपत्ति से आय (किराया)
- व्यापार एवं पेशे से लाभ
- पूंजी लाभ
- अन्य स्रोतों से आय

इन पांच शीर्षों का कुल आय "सकल कुल आय" के रूप में जाना जाता है ।

कुल आय क्या है ?

कुल आय = सकल कुल आय माइन्स - चैप्टर VIA के अधीन कटौतियां

चैप्टर VIA में 80 सी से 80 यू तक के अधीन कटौतियां शामिल हैं । उदाहरण केलिए एलआईसी प्रीमियम भुगतान धारा 80 सी के अधीन है, चिकित्सा बीमा प्रीमियम धारा 80 डी के अधीन आदि । लागू कर दरों को लागू करते हुए कुल आय पर आयकर अभिकलित किया जाता है ।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान व्यक्तियों केलिए लागू आयकर दर क्या-क्या हैं ?

व्यक्तियों के मामले में (60 वर्षों से कम आयुवाले)	
कुल आय	**कर दर**
2,50,000 रुपए तक	शून्य
2,50,000 रुपए से 5,00,000 रुपए तक	5%
5,00,000 रुपए से 10,00,000 रुपए तक	20%
10,00,000 रुपए से ऊपर	30%

प्लस :

अधिभार : कर का 10% जहां कुल आय 50 लाख रुपए से अधिक है ।

कर का 15% जहां कुल आय 1 करोड रुपए से अधिक है ।

एच एवं ई उपकर : कर का 4% प्लस अधिभार ।

यह नोट किया जाए कि पूंजी लाभ पर विशेष दर पर कर लगाया जाएगा ।

नोट : यदि कुल आय 3,50,000 रुपए से अधिक न, हो, तो, धारा 87/B के अधीन छूट लागू है । छूट की राशि आयकर के 100% या 2,500 रुपए, जो भी कम हो, होगी ।

उदाहरण केलिए : यदि एक व्यक्ति का कुल आय 7,25,000 रुपए है, तो, कर निम्नानुसार अभिकलित किया जाता है :

कुल आय या निवल आय	7,25,000 रुपए		
कर देयता का अभिकलन	2,50,000 रुपए तक	शून्य	शून्य
	2,50,000 से 5,00,000 रुपए	5%	12,500
	5,00,000 से 10,00,000 रुपए	20%	45,000
निवल आय पर लाभ			57,500
जोड : एच और ई उपकर @ 4%			2,300
कर देयता			59,800

वेतन का भुगतान करते समय नियोक्ता आयकर की कटौती क्यों कर रहा है ?

आयकर अधिनियम के अनुसार, जब कर्मचारी को वेतन का भुगतान करने पर, नियोक्ता द्वारा कर्मचारी कर की कटौती (जो सामान्यतया "टीडीएस" के रूप में जाना जाता है।) करना अनिवार्य है । नियोक्ता कर्मचारी के कुल आय गणित करते हुए तथा प्रचलित कर की दर लागू करते हुए टीडीएस की कटौती करना है।

एक बार टीडीएस की कटौती होने पर, यह कटौती के महीने के अंत से 7 दिनों के अंतर्गत नियोक्ता द्वारा सरकार को प्रेषित किया जाएगा । नियोक्ता को कटौती की गई कर और उनके द्वारा कर प्रेषित करने के सामने, पैन सं. निर्दिष्ट करते हुए एक तिमाही विवरण फाइल करने की आवश्यकता है । एक बार इन विवरणों को फाइल करने पर, कर्मचारियों के प्रपत्र 26एएस में कर क्रेडिट प्रकट किया जाएगा ।

आयकर विवरणी फाइल करने केलिए सीमारेखा क्या है ?

यदि पिछले वर्ष के दौरान, सकल कुल आय 2.50 लाख रुपए से अधिक होने पर (अर्थात् मूल छूट सीमा), आयकर विवरणी अनिवार्य रूप से फाइल किया जाएगा । यदि कुल आय 5 लाख रुपए से अधिक है तो, विवरण इलेक्ट्रोनिक रूप में फाइल किया जाएगा ।

विवरणी फाइल करने की अंतिम तिथि क्या है ?

आयकर अधिनियम, आयकर विवरणी फाइल करने हेतु उचित तिथि नियत करने केलिए केन्द्र सरकार को अधिकार दिया जाता है। वर्ष 2018-19 को व्यक्तियों केलिए विवरणी फाइल करने की नियत तिथि दिनांक 31 जुलाई 2018 है ।

विवरणी फाइल करते समय कौन-सा आयकर विवरणी चुना जाना चाहिए ?

अपनी कर विवरणी फाइल करनेवाले करदाताओं को मूल रूप में अपनी विवरण फाइल करने के पहले किस प्रकार आयकर विवरणी फाइल करना है, यह निर्धारित करने की आवश्यकता है। करदाता अर्जित करनेवाले आय की प्रकृति या राज्य जिससे वे अर्जित करते हैं, आदि के आधार पर अपेक्षित प्रपत्र तय किया जाता है।

दिनांक 31 जुलाई 2018 के उपर्युक्त नियत तारीख के अंदर यदि विवरणी फाइल न करने पर क्या करना है ?

यदि नियत तिथि के अंतर्गत विवरण फाइल न करने पर, इसे नियत तिथि के बाद फाइल कर सकते हैं। यह विवरणी विलंबित विवरणी के रूप में सामान्यतया जाना जाता है। विलंबित विवरण को संगत मूल्यांकन वर्ष के अंत में फाइल किया जा सकता है । यदि आप देर से फाइल करें तो, नीचे सूचित प्रकार अलाभ हो

सकते हैं :

- यदि अदत्त कर होने पर, आपको प्रति महीने 1% की दर पर ब्याज का भुगतान करना होगा ।
- 1000 रुपए से 10000 रुपए तक के बीच जुर्माना अदा करना होगा । यदि आप देरी केलिए उचित कारण साबित करने पर यह जुर्माना से आप बच सकते हैं ।
- हानि को आगे ले जाने का लाभ अस्वीकार किया जाता है (गृह संपत्ति के अधीन हानि को छोडकर)

यदि एक व्यक्ति विवरणी फाइल करता है और बाद में पता चलता है कि फाइल किए विवरणी में गलतियां हैं, तो, क्या करना है ?

विवरणी फाइल करने के बाद, यदि एक व्यक्ति को पता चल जाता है कि इसमें गलतियां या चूक हैं, तो, वे संगत मूल्यांकन वर्ष के अंत के एक वर्ष पहले एक संशोधित विवरणी फाइल कर सकते हैं । यह नोट किया जाए कि यह सुविधा तभी उपलब्ध है जब चूक या गलती अनजाने में हो ।

फार्म 26 एएस क्या है ?

फार्म 26 ए एस एक कर सारांश दस्तावेज है जिसमें निम्नलिखित विवरण शामिल हैं :

- टीडीएस की कटौती और आपके नियोक्ता/बैंक/आय प्रदाता द्वारा प्रदत्त वेतन/ब्याज/आय की राशि ।

- आपके द्वारा प्रदत्त अग्रिम कर/स्वयं मूल्यांकन कर ।

यह सलाह दी जाती है कि आप विवरणी भरने के पहले आयकर वेबसाइट में लॉग इन करके, अपने फॉर्म 26 एएस की जांच करें और अपने विवरणी में प्रदत्त करों की यथार्थता सुनिश्चित करें ।

आयकर कटौती का दावा करने केलिए नियोक्ता को क्या-क्या दस्तावेज प्रस्तुत करना है ?

कर्मचारी छूट दावा करने केलिए निम्नलिखित प्रमाणों के साथ फॉर्म 12 बीबी प्रस्तुत करना है । ■

दावे की प्रकृति	प्रमाण
एचआरए	मकान मालिक के नाम, पता, यदि किराया प्रति वर्ष 1 लाख से अधिक होने पर, किराया समझौता / किराया रसीद ।
एलटीसी/एलटीए	खर्च का प्रमाण ।
आवास ऋण ब्याज की कटौती	ऋणदाता से प्रमाणपत्र के साथ ऋणदाता के नाम, पता और पैन ।
चैप्टर VI ए के अधीन कटौती	निवेश या खर्च का प्रमाण।

मैं शिपयार्ड हूँ

हरिशंकर
प्रबंधक

मैं शिपयार्ड हूँ,
कश्तियाँ बनाता हूँ, फौलादी कश्तियाँ,
सजाता हूँ, संवारता हूँ उन्हें समुन्दर में जाने केलिए,
उफनाती भयावह लहरों को भेद, पार जाने केलिए,
मैं शिपयार्ड हूँ,
बीमार कश्तियों का इलाज हूँ मैं, पुख्ता इलाज,
गोद में लेता हूँ उन्हें माँ की तरह, हर ज़ख्म धोने केलिए ,
मरहम लगा, भर देता हूँ सब घाव, नवजीवन देने केलिए,
मैं शिपयार्ड हूँ
तैयार करता हूँ मैं जहाजी, जाबाज जहाजी,
चीरकर सीना समुन्दर का, कश्तियाँ चलाने केलिए,
दूर रहकर अपनों से, दुनिया को अपनाने केलिए,
मैं शिपयार्ड हूँ,
मैं पालता हूँ खुशियाँ, लोगों को देने केलिए,
बनाता हूँ कश्तियाँ देश सेवा केलिए,
सपने बुनता हूँ, हकीकत में बदलने केलिए,
मैं शिपयार्ड हूँ, मैं एक बेहतरीन शिपयार्ड हूँ।

औपचारिक घटनाएं

सीएसएल द्वारा पोत मरम्मत केलिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट और कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन

कोचीन शिपयार्ड ने मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में पोत मरम्मत सुविधाओं के प्रबंधन और प्रचालन केलिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया । पोत परिवहन के माननीय संघ मंत्री श्री नितिन गडकरी इस समारोह के मुख्य अतिथि थे । कोचीन शिपयार्ड और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट एक पेशेवर पोत मरम्मत इको सिस्टम स्थापित करने केलिए मुंबई पत्तन में इंदिरा डॉक सुविधा का उपयोग करने हेतु सहयोग करेंगे, जो भारतीय रक्षा और वाणिज्यिक पोत मरम्मत केलिए लाभदायक होंगे । इसके साथ सीएसएल पोत मालिकों को मरम्मत कार्य में शुरू से अंत तक समाधान प्रदान करने केलिए सक्षम होंगे ।

नेताजी सुभाष डॉक, कोलकाता में पोत मरम्मत प्रचालनों केलिए पेशेवर, प्रभावी और लागत प्रभावी इको सिस्टम स्थापित करने और आधुनिकीकरण केलिए कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के साथ कोचीन शिपयार्ड ने दिनांक 17 मार्च 2018 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया । श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोचीन शिपयार्ड और श्री विनित कुमार, अध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट ने दस्तावेजों को हस्तांतरित किया । श्री गोपाल कृष्ण, आईएएस, सचिव (नौवहन), भारत सरकार इस समारोह के मुख्य अतिथि थे । श्री एस बालाजी अरुण कुमार, उपाध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट सहित कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट से वरिष्ठ अधिकारियों इस अवसर पर उपस्थित थे । सीएसएल की ओर से श्री पॉल रंजन,

निदेशक (वित्त) और श्री राजेष गोपालकृष्णन, महा प्रबंधक (व्यापार विकास एवं इंफ्रा परियोजनाएं) ने भाग लिया । सीएसएल यार्ड के प्रचालन एवं अनुरक्षण कार्य करेंगे ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 30 अक्तूबर से 04 नवंबर 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2017 मनाया गया। दिनांक 30 अक्तूबर 2017 को विभागाध्यक्षों द्वारा कर्मचारियों को प्रतिज्ञा दिलाया गया । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा मुख्यालय में अधिकारियों केलिए प्रतिज्ञा दिलाया गया। नागरिकों को ई-प्रतिज्ञा लेने से संबंधित आयोग के निदेश वहां उपस्थित सभी को दिया गया । कोचीन शिपयार्ड का एक कंपनी के रूप में निगमित प्रतिज्ञा प्रमाणपत्र प्राप्त किया । इस सिलसिले में निम्नलिखित विविध घटनाएं चलाई गई :

- दिनांक 29 अक्तूबर 2017 को सतर्कता स्टडी सर्किल, केरल के सहयोग में भ्रष्टाचार मुक्त भारत के महत्व का जागरूकता सृजित करने के सिलसिले में एक वॉकथॉन आयोजित किया गया । यह घटना श्री करुप्पस्वामी आईपीएस, उप पुलिस आयुक्त, कोच्ची नगर ने ध्वजांकित किया ।

- दिनांक 01 नवंबर 2017 को "मेरी दूरदर्शिता - भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित किया । प्रोफ. के वी टॉमस, माननीय सांसद, एर्णाकुलम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया ।

- दिनांक 02 नवंबर 2017 को केन्द्रीय विद्यालय, एर्णाकुलम और भारतीय विद्याभवन, एर्णाकुलम में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई । दिनांक 04 नवंबर 2017 को "मेरी दूरदर्शिता - भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर कॉलेज छात्रों केलिए ग्रूप चर्चा और प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

- दिनांक 04 नवंबर 2017 को कोचीन शिपयार्ड के आपूर्तिकारों और उप ठेकेदारों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया ।

दिनांक 03 नवंबर 2017 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया । श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीएसएल ने समारोह की अध्यक्षता की । माननीय न्यायाधीश बी कमाल पाषा, उच्च न्यायालय, केरल मुख्यतिथि थे । इस अवसर पर माननीय राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और मुख्य सतर्कता आयुक्त के संदेशों को पढा गया । ■

विश्व पर्यावरण दिवस

सीएसएल में विश्व पर्यावरण दिवस दिनांक 05 जून 2017 को उचित तरीके से आयोजित किया गया । इस वर्ष का विषयवस्तु है, "लोगों को प्रकृति से जोडना" है । श्री जॉर्ज स्लीबा, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एफएसीटी मुख्य अतिथि थे । सभी कर्मचारियों के घर/स्थानीय क्षेत्रों में लगाने केलिए पेड के छोटे पौधे भी वितरित किए गए। श्री डी पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री सण्णि तॉमस, निदेशक (तकनीकी), अधिकारियां, पर्यवेक्षक और कामगार आदि समारोह में उपस्थित थे । ■

ट्यूना लाइनरों का निर्माण

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड 16 सं. के ट्यूना लॉंग लाइनिंग एवं गिलनेट्टिंग फिशिंग वेसलों के निर्माण केलिए त्रिपक्षीय ठेके पर हस्ताक्षर किया । इन 16 वेसलों के स्टील कट्टिंग निर्माण दिनांक 29 जनवरी 2018 को सीएसएल में आयोजित किया । इस अवसर पर श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीएसएल, डॉ जी समीरन, आईएएस, अपर निदेशक (मात्स्यिकी), तमिलनाडु सरकार और सीएसएल एवं सीआईएफट से अन्य वरिष्ठ अधिकारियां उपस्थित थे । सीएसएल इस प्रयास में केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान से जुड रहे हैं । प्रस्तावित वेसल की लंबाई 22 मीटर है । ■

"एक आदमी अपने विचारों से ही बनता है,
वो जो सोचता है वही बन जाता है।"
महात्मा गांधी

कलाकृति

- सी आर सीमा, उप प्रबंधक (प्रशासन) (सेवानिवृत्त)

'सेवानिवृत्ति' - एक ऐसा शब्द है जो हमारे, निगमित व्यक्तियों के बीच मिश्रित मनोविकारों को निश्चित रूप से लाता है । हम में से कई लोग, हमारे सहयोगियों की कई उपलब्धियों और व्यक्तिगत यात्राएं मनाने केलिए प्रत्येक महीने के अंत में एकसाथ जुट जाते हैं, इसलिए कि वे सीएसएल के अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और अपने जिन्दगी के एक और चरण शुरू करने जा रहे हैं।

आजकल, मासिक सेवानिवृत्ति संख्या दोगुने अंक तक आ गया है, कभी-कभी 50 तक पहुँच जाते हैं । प्रत्येक महीने, हम बहुत उत्सुकता से मानव संसाधन विभाग से प्रकाशित सेवानिवृत्त होनेवाले कर्मचारियों की सूची देखते हैं, यह जानने केलिए कि हमारे कोई परिचित व्यक्ति विशेष महीने में सेवानिवृत्ति हो रहे हैं । अचानक ही हमारे पुराने दोस्त जाने के आश्चर्य दूर करने तथा उन्हें उनकी सेवा के अंतिम दिवस पर अलविदा कहने केलिए हम विशेष रूप से यह सूची देखते हैं ।

पिछले वर्ष के नवंबर महीने में बडी संख्या में कर्मचारियां सेवानिवृत्त हुए थे, यानि कि कुल 32 कर्मचारियां । कुछ लोगों को मैं व्यक्तिगत रूप से जानती हूँ और किसी को मैं नहीं जानती। अंतिम कार्यदिवस के दोपहर को मैंने मोल्ड लोफ्ट बिल्डिंग का दौरा किया, इसलिए कि मेरे एक पुराना दोस्त उस दिन शिपयार्ड से सेवानिवृत्त हो रहे थे। उनसे मिलने के बाद, वहां उपस्थिति महा प्रबंधक ने बताया कि उस दिन जॉर्ज नामक एक व्यक्ति सेवानिवृत्त होनेवाला था । तब मैंने उसे ढूंढने की कोशिश की ताकि मैं उन्हें भी शुभकामनाएं दे सकूं। मैं पहले कभी भी उनसे नहीं मिली थी।

श्री जॉर्ज, जो उस दिवस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे थे, फिर भी वे युवा पीढी को ऊर्जा और उत्साह के साथ अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को अनुदेश और कार्य आबंटित कर रहे थे । यद्यपि यह उनका कार्यालय का अंतिम दिवस था, तो भी, मैं उनके काम की ओर जुनून और प्रतिबद्धता को देख रही थी।

उन्होंने मुझे उनके कार्यस्थान पर आमंत्रित किया। मैं उनके कार्यस्थान में जाकर बैठी और उनका मेज अच्छी तरह से साफ रखा हुआ था । फाइलों एवं दस्तावेजों को उचित तरीके से व्यवस्थित रखा था। मैंने यह भी देखा कि उन्हें मिले पुरस्कार संबंधी फोटोग्राफों को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया था। उन्होंने बताया कि उन्हें शिपयार्ड में 40 वर्षों का अनुभव है । उन्होंने एक ही परिवार के तीन पीढी के साथ काम किया है और प्रथम अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वी एड्मिरल कृष्णन से लेकर वर्तमान ऊर्जस्वी एवं युवा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर तक के नेतागण के साथ काम किया है । आईटीआई के बाद, वे 1976 में एक प्रशिक्षु प्रशिक्षार्थी के रूप में शिपयार्ड में शामिल हो गए । उन्होंने अपना सफल जीवन सीएसएल केलिए समर्पित किया था। उन्हें पोत निर्माण प्रक्रिया के संबंध में अच्छी जानकारी थी । लेकिन मुझे उतनी जानकारी नहीं थी, इसलिए उनसे बातें करते समय, मैं ने अपने आप को बहुत निम्न महसूस किया और उन्होंने बताना शुरू किया कि कैसे वे पोत के इतने अच्छे भागों को बनाने में एक भाग हो गया था और कैसे पोत एक कलाकृति बन जाते हैं।

व अपने वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों और अधीनस्थ कर्मचारियों से बहुत खुश थे । उनका एक प्यारा परिवार है, जो हमेशा उनका साथ देते रहे हैं । श्री जॉर्ज हमारे कई सहयोगियों जो कई वर्षों की सेवा के बाद शिपयार्ड से सेवानिवृत्त हुए हैं, जो अभी तक के सीएसएल की सफल यात्रा में एक योगदान कारक है, उनमें से एक है ।

यह हमारे यार्ड को आगे बढाता है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि सीएसएल के हमारे युवा सहयोगियों इस जुनून को आगे ले जाएंगे और यार्ड को अपना सवोत्तम सेवा प्रदान करेंगे । ■

पुरस्कार

निगमित नागरिक पुरस्कार

भारत का सबसे बडा सार्वजनिक उद्यम पोत निर्माण एवं मरम्मतकार कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को दिनांक 09 एवं 10 मार्च 2018 को पुने में आयोजित 12 वां ग्लोबल कम्यूनिकेशन कॉनक्लेव में वर्ष के निगमित नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री राजेष गोपालकृष्णन, महा प्रबंधक (व्यापार विकास एवं नई परियोजनाएं) ने कॉनक्लेव के दौरान पुरस्कार प्राप्त किया। ■

उत्तम निर्यातक पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड ने सीमाशुल्क, केन्द्रीय जीएसटी और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क से कैलेंडर वर्ष 2017 केलिए कोच्ची के उत्तम निर्यातक का पुरस्कार स्वीकार किया। दिनांक 25 जनवरी 2018 को सीमाशुल्क हाउस, कोच्ची में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सीमाशुल्क दिवस समारोह, 2018 के अवसर पर श्री पुल्लेला नागेश्वर राव, मुख्य सीमाशुल्क आयुक्त, केन्द्रीय जीएसटी और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क से श्री ए एन नीलकंठन, महा प्रबंधक (सामग्री) ने पुरस्कार स्वीकार किया । ■

केरल राज्य अक्षय ऊर्जा पुरस्कार

यह पुरस्कार दिनांक 28 फरवरी 2018 को आयोजित समारोह में केरल के माननीय मुख्यमंत्री श्री पिनराय विजयन से श्री एम मुरुगय्या, मुख्य महा प्रबंधक (आईक्यूसी, एसएसई एवं एसडी) ने पुरस्कार स्वीकार किया। इस अवसर पर श्री एम एम मणि, विद्युत मंत्री, श्री के मुरलीधरन, विधान सभा सदस्य और श्रीमती जयश्री के के , सहायक महा प्रबंधक भी उपस्थित थे।

केरल राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड को "सबसे बडे ऊर्जा उपभोक्ता" की श्रेणी में केरल राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2017 केलिए चयनित किया गया। यह पुरस्कार केरल सरकार द्वारा केरल में ऊर्जा संरक्षण की ओर किए गए उत्तम और समेकित प्रयास केलिए एक प्रशंसा के रूप में स्थापित किया गया है । श्री बिजोय भास्कर, मुख्य महा प्रबंधक (तकनीकी एवं इंफ्रा परियोजनाएं) के नेतृत्व में सीएसएल टीम ने दिनांक 15 दिसंबर 2017 को तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक समारोह में केरल सरकार के माननीय विद्युत मंत्री श्री एम एम मणि से पुरस्कार स्वीकार किया।

उत्पादकता पुरस्कार

सीएसएल ने केरल राज्य उत्पादकता परिषद से द्वितीय सर्वोत्तम उत्पादकता निष्पादन केलिए एफएसीटी एमकेके नायर उत्पादकता पुरस्कार जीत लिया। दिनांक 01 दिसंबर 2017 को आयोजित समारोह में श्री ए सी मोयद्दीन, माननीय उद्योग, खेलकूद और युवा मामले मंत्री, केरल सरकार से श्री बिजोय भास्कर, मुख्य महा प्रबंधक, श्री एम मुरुगय्या, मुख्य महा प्रबंधक और श्री एम डी वर्गीस, महा प्रबंधक, कर्मचारियों के प्रतिनिधियों ने एक साथ मिलकर पुरस्कार स्वीकार किया ।

सीएसएल ने भारत सीट्रेड पुरस्कार हासिल किया

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारत सीट्रेड द्वारा दिनांक 22 सितंबर 2017 को कोच्ची में आयोजित तटीय नौवहन और आईडब्ल्यूटी व्यापार सम्मेलन में भाग लिया। श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, उद्घाटन सत्र के सम्मानित अतिथियों में से एक थे।

सीएसएल को सीट्रेड द्वारा संस्थापित 'वर्ष के पोत निर्माण व पोत मरम्मत यार्ड' से सम्मानित किया था। कोचीन शिपयार्ड की ओर से श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी), सीएसएल ने प्रो. पी जे कुरियन, उपाध्यक्ष, राज्य सभा से पुरस्कार स्वीकार किया। श्री सण्णि तोमस सम्मेलन के प्रथम सत्र में भाग लिया और उभरते अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्र में सीएसएल के परिकल्पना पर भाषण भी दिया।

उत्कृष्टता केलिए भारत सीट्रेड पुरस्कार संस्थानों और उपक्रमों जिन्होंने देश के तटीय नौवहन और अंतर्देशीय जलीय परिवहन की वृद्धि और विकास केलिए अपने उत्कृष्ट योगदान से भिन्नता बनाई है, केलिए सम्मान है।

सीएसएल को प्रतिष्ठित सीएसआर पुरस्कार

विख्यात जूरी सदस्यों द्वारा सीएसएल सहित कई कंपनियों से प्राप्त दस्तावेजों के मूल्यांकन और सख्त जांच के बाद सीएसएल ने प्रतिष्ठित बीटी- सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार हासिल किया है। सीएसएल ने निम्नलिखित दो श्रेणियों में पुरस्कार हासिल किया है:

- ग्रामीण विकास केलिए बीटी- सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार
- उत्कृष्ट पीएसई सीएसआर उन्मुख अध्यक्ष/ सीएमडी केलिए बीटी - सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार

प्रथम श्रेणी पुरस्कार (ग्रामीण विकास) केरल के कासरगोड जिलें में एन्डोसल्फान के पीडितों केलिए गृह निर्माण हेतु 'साय प्रसादम' सहायता परियोजना के विवरण के आधार पर दिया गया है और 'उत्तम पीएसई सीएसआर उन्मुख अध्यक्ष/ सीएमडी' केलिए द्वितीय श्रेणी पुरस्कार, श्री मधु एस नायर द्वारा सीएसआर उन्मुख अध्यक्ष/ सीएमडी के रूप में उनके उत्कृष्ट योगदान केलिए प्राप्त किया गया है।

पुरस्कार समिति के अध्यक्ष, श्री भास्कर चाटर्जी, आईएएस (से.नि.) शीर्ष प्रबंधन और सीएसआर टीम को कंपनी के उल्लेखनीय सीएसआर पहलों और दोनों पुरस्कार प्राप्त करने केलिए बधाई दी।

केरल प्रबंधन संघ पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड ने उत्कृष्ट सीएसआर गतिविधियों केलिए केरल प्रबंधन संघ पुरस्कार जीत लिया है । श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक और श्री ए एन नीलकंठन, महा प्रबंधक ने एक साथ पुरस्कार स्वीकार किया । सीएसएल लगातार द्वितीय बार यह पुरस्कार जीत रहा है ।

कोच्ची टॉलिक से राजभाषा पुरस्कार

समूह में वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा हिन्दी के उत्तम निष्पादन केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को समिति की राजभाषा रोलिंग ट्रॉफी (द्वितीय पुरस्कार) प्राप्त हुई। बीएसएनएल भवन, कोच्ची में आयोजित संयुक्त हिन्दी पखवाडा समापन समारोह के अवसर श्री जी मुरलीधरन, प्रधान महा प्रबंधक , बीएसएनएल एवं अध्यक्ष, कोच्ची नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) से श्रीमती गिरिजा टी पी, प्रबंधक (राजभाषा) और श्रीमती सरिता जी, सहायक प्रबंधक (हिन्दी) ने ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र स्वीकार किया । साथ ही कार्यालय की गृह पत्रिका "सागर रत्न" केलिए सांत्वना पुरस्कार भी प्राप्त हुआ ।

कोचीन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य संगठनों में 200 से कम कर्मचारी काम करनेवाले सार्वजनिक उपक्रमों के

कोचीन शिपयार्ड में हिंदी दिवस, पखवाडा समारोह 2017

राजभाषा हिंदी के प्रति लोगों की रुचि बढाने और उसके महत्व के प्रति उसे जागृत करने के उद्देश्य में कोचीन शिपयार्ड में दि. 14 से 28 सितंबर 2017 तक हिंदी पखवाडा समारोह बडी धूमधाम से मनाया गया। लोगों में हिंदी भाषा केलिए विकास की भावना केवल हिंदी दिवस तक ही सीमित न कर उसे और अधिक बढाना भी हिंदी पखवाडा समारोह का मुख्य उद्देश्य है। इस उद्देश्य के साथ हमने हिंदी में विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की।

कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों केलिए हिंदी में सुलेख, अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली, निबंद लेखन, टिप्पण और आलेखन एवं पत्र लेखन, हिंदी टंकण, भाषण, चित्र क्या कहता है, गद्यांश वाचन, प्रश्नोत्तरी, हिंदी गीत आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष कंपनी के प्रशिक्षार्थियों और ठेके कर्मचारियों केलिए भी हिंदी में निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी और हिंदी गीत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। साथ ही कर्मचारियों के बच्चों केलिए हिंदी में सुलेख, कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों, प्रशिक्षार्थियों तथा कर्मचारियों के बच्चों ने बडी उमंग - उत्साह से तथा सक्रिय रूप से भाग लिया। तकनीकी कर्मचारियों ने भी इन प्रतियोगिताओं में बढ- चढ कर हिस्सा लिया।

स्कूली छात्रों केलिए विविध प्रतियोगिताएं

छात्रों के बीच हिंदी भाषा को बढावा देने के उद्देश्य में, हिंदी पखवाडा समारोह के विशेष कार्यक्रम के रूप में एर्णाकुलम में कोच्ची कॉरपोरेशन के अधीन आनेवाले स्कूलों के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों केलिए दिनांक 28 जुलाई 2017 को हिंदी में चित्र क्या कहता है, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में क्रमशः के वी आईएनएस द्रोणाचार्य, भवन्स विद्या मंदिर, एलमक्करा, नेवी चिल्ड्रन स्कूल, सरस्वती विद्यानिकेतन, भवन्स विद्या मंदिर, गिरिनगर और डेल्टा स्टडी विजेता बने। सभी छात्रों को प्रमाणपत्र, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिया गया। छात्रों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा।

समापन समारोह

हिंदी पखवाडा समारोह का समापन समारोह दिनांक 24 नवंबर

2017 को धूमधाम से आयोजित किया गया। श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समारोह के मुख्यातिथि थे। समारोह में श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी), श्री पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे। समापन समारोह श्रीमती श्यामिली सुरेष की बहुत ही मधुर गीत के साथ शुरू हुई। बाद में श्रीमती गिरिजा टी पी, प्रबंधक (राजभाषा) ने मंच में उपस्थित सभी विशिष्ट अधिकारियों, सभा में उपस्थित अन्य अधिकारीगण तथा स्कूली छात्रों एवं कर्मचारियों को हार्दिक रूप से स्वागत किया। बाद में हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा दिए संदेश को श्रीमती सुमी एस, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी केलिए पढकर सुनाया। आगे श्री मधु एस नायर ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होने अपने भाषण में कोचीन शिपयार्ड में दौरा किए संसदीय राजभाषा समिति की बैठक के संबंध में बताया। समिति ने बैठक के दौरान गंभीरता से उठाए गए मुद्दों को सभा में उपस्थिति सभी कर्मचारियों को अवगत कराया। साथ ही आगे से इन मुद्दों पर मद्देनजर रखते हुए राजभाषा हिंदी की प्रगति में एक साथ काम करने हेतु सलाह दी। कंप्यूटर में यूनिकोड के माध्यम से हिंदी में अधिक काम करने केलिए भी उन्होंने अनुदेश दिया। हिंदी अनुभाग द्वारा प्रकाशित राजभाषा सहायिका का फायदा उठाने केलिए भी कर्मचारियों को प्रेरणा दी। साथ ही प्रतियोगिताओं में विजेता बने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी।

आगे, श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी) ने आशीर्भाषण दिया। उन्होंने बताया कि वे नवंबर महीने में सेवानिवृत्त होनेवाले हैं। यह उनका अपनी सेवाकाल का अंतिम समारोह है। उन्होंने हिंदी अनुभाग द्वारा उठाए गए और उठाए जा रहे सभी प्रयासों केलिए सराहना दी। आगे भी अधिक प्रेरणात्मक कार्यों से हिंदी को बढावा देने केलिए प्रयास करने हेतु सलाह दी।

इसके बाद पुरस्कार वितरण आयोजित किया। इस अवसर पर वर्ष में हिंदी में अधिक शब्द लिखे श्रीमती प्रिया ए आर, कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक को स्वर्गीय शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के करकमलों से प्रदान किया गया। साथ ही साथ विविध प्रतियोगिताओं में विजेता बने स्कूली छात्रों, कर्मचारियों के बच्चों, कर्मचारियों तथा प्रशिक्षार्थियों एवं ठेके कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न, प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (तकनीकी), निदेशक (वित्त) आदि द्वारा प्रदान किया गया। आगे, श्री बिन्दु कृष्णा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने हार्दिक रूप से सभी को धन्यवाद अदा किया। उन्होंने इतनी छोटी उम्र में ही बच्चों को हिंदी भाषा की ओर एक दिलचस्पी लाने तथा प्रेरित करने हेतु उनके परिवार को विशेष रूप से बधाई दी। साथ ही सभा में उपस्थित सभी विशिष्ट अधिकारीगण, कर्मचारियों को उन्होंने तहे दिल से धन्यवाद अदा किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सफल ढंग से संपन्न किया गया। ■

हिन्दी पखवाडा समारोह - प्रतियोगिताओं के परिणाम

1. कर्मचारियां

क्र. सं	मद	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	सुलेख	कीर्ति आर, 4172	विनिता के जी, 3735	गिनिता टी जी, 3951
2	टिप्पण व आलेखन, पत्र लेखन	सुमी एस, 4447	रंजन कुमार बेहरा, 4713	-
3	निबंध लेखन	त्रिवेणी के के, 3613	अनीष इट्टीरा, 3628	आनी के एल, 3948
4	चित्र क्या कहता है	दिव्या एम पै, 4458	राजेष पी, 4633	रंजन कुमार बेहरा, 4713
5	भाषण	राजेष पी, 4633	अरुण आर, 3965	आनी के एल, 3948
6	हिंदी टंकण	संगीता संतोष के एस, 3949	अषिता के ए, 4197	दिव्या के वी, 4200
7	अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली	सुमी एस, 4447	एमिल्डा डी सिल्वा, 3600	हरिकृष्णन जी, 4448
8	गद्यांश वाचन	दिव्या एम पै, 4458	सुमी एस, 4447	निव्या टी आर, 3778
9	हिंदी फिल्म गीत	रनीष वी एम, 4043	श्रीकुमार एम पी, 4212	सेथुन एम एस, 3642
10	प्रश्नोत्तरी	आशा वी राव, 3378 एवं दिव्या एम पै, 4458	हरिकृष्णन जी, 4448 एवं राजेन्द्र कुमार वी एन, 3412	अनुराज कुमार आई, 3945 एवं विवेक विजयन, 3985

2.प्रशिक्षार्थियां और ठेके कर्मचारियां

क्र.सं	मद	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	निबंध लेखन	धनेष बी, 40622	श्यामा एस कुमार, 87457	इग्नेषियस बेबी, 40369
2	हिंदी फिल्म गीत	श्यामली सुरेष, 87448	इन्दुजा मोहन, 40388	मेघा चंद्रन, 40374
3	प्रश्नोत्तरी	मरिया मात्यु, 33023 एवं राहुल पी आर, 40690	इग्नेषियस बेबी, 40369 एवं जिजो जोस, 30952	निखिल एम, 87447 एवं श्यामा एस कुमार, 87457

3.कर्मचारियों के बच्चे

क्र.सं	मद	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	पद्य पाठ	नेहा के बी सरिता जी की सुपुत्री	राधिका आर नायर बिन्दु कृष्णा की सुपुत्री	काशिनाथ पी ए दिव्या के वी का सुपुत्र
2	सुलेख	संजना एस सूर्या वी के की सुपुत्री	एलिस सिमेती एमिल्डा डी सिल्वा की सुपुत्री	पूर्णिमा आर नायर बिन्दु कृष्णा की सुपुत्री

कोच्ची टॉलिक के तत्वावधान में दिनांक 16 नवंबर 2017 से 30 नवंबर 2017 तक संयुक्त हिंदी पखवाडा समारोह आयोजित किया गया। इसके सिलसिले में 14 कर्मचारियों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कोचीन शिपयार्ड में पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों का विवरण नीचे दिया जाता है :

क्र.सं.	नाम एवं कोड सं.	मद	पुरस्कार
1	किशोर कुमार तेनानी, 4711	अंताक्षरी	प्रथम
2	वरुण कुमार सोणी, 4742		
3	सुमी एस, 4447	अनुवाद	तृतीय
		प्रशासनिक शब्दावली, टिप्पण व आलेखन	सांत्वना
4	दिव्या एम पै, 4458	समाचार वाचन	तृतीय
5	अनुराज कुमार आई, 3945	प्रश्नोत्तरी	तृतीय
6	विवेक विजयन, 3985		
7	रनीष वी एम, 4043	ललित गान- पुरुष	सांत्वना
8	विनिता के जी, 3735	सुलेख	सांत्वना

स्वर्गीय श्री शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार

भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय से प्राप्त निदेश के अनुसार कोचीन शिपयार्ड में वर्ष 2012 से स्वर्गीय श्री शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार योजना लागू की गई है और यह पुरस्कार कार्यालयीन काम में हिंदी में अधिकतम शब्द लिखने वाले कर्मचारी को दिया जाता है। इस वर्ष श्रीमती प्रिया ए आर, कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक को पुरस्कार प्रदान किया गया।

कोचीन शिपयार्ड रिक्रिएशन क्लब द्वारा बाल उत्सव

दिनांक 11 एवं 12 नवंबर, 2017 को कोचीन शिपयार्ड परिसर में कोचीन शिपयार्ड रिक्रिएशन क्लब द्वारा 26वां बाल उत्सव बडी धूमधाम से मनाया गया। बाल उत्सव का उद्घाटन श्रीमती आशा सनिल, अध्यक्षा, जिला पंचायत ने किया। इस अवसर पर श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस उत्सव में हर वर्ष तीन हजार से अधिक छात्र जिसमें एलकेजी से लेकर 12वीं कक्षा तक के छात्र शामिल हैं, विविध जिले से आकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं। इस वर्ष भी बडी उमंग के साथ सुव्यस्थित ढंग से बाल उत्सव मनाया गया ।

देशभक्ति पर कुछ अनमोल सुविचार

बैजु एन जी
परियोजना सहायक (प्रशा.)

देश हमारी मां है, जिस तरह हम अपनी मां से प्यार करते है वैसे ही हमें अपने देश से भी प्यार करना चाहिए। जिस धरती पर हमने जन्म लिया है, उस धरती का पालन करना हम सबका धर्म है। बचपन में मैने कई देशभक्ति के फिल्म देखे थे, मेरे मन में तब से एक ख्याल आता था कि हम अपने घर में चैन से सो पाते है तो वो सिर्फ अपने देश के जवानों की वजह से, वह सीमा पर दिन- रात अपने देश की रक्षा करते रहते हैं। तब से मैने भी सोच लिया था कि बडा होकर मैं भी अपने देश की सेवा करूँगा।

भारत एक खूबसूरत देश है, जो अपनी अलग संस्कृति और परंपरा केलिए जानी जाता है। ब्रिटिश शासन के समय हमारा भारत एक गुलाम देश था। हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने संघर्ष और समर्पण करके 1947 में भारत को अंग्रेजों से आजादी दिलाई। हम भारत के इतिहास में जब जाएंगे तो बहुत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। आज हम जो आजादी में जी रहे है, हमें उन सैनिकों के बलिदान से मिला है।

हिंदी का महत्व

मैं अपने से कुछ अनुभव जोडना चाहता हूँ। हम अपने देश से प्रेम करते हैं तो हम सबके बोलचाल केलिए एक ही भाषा होना जरूरी है। वर्ष 1996 में मुझे भी एक मौका मिला, मैं भी भारत मां की सेवा कर सकूँ और मैं भारतीय वायुसेना में भर्ती हुआ। जब मैं स्कूल और कॉलेज में पढता था मुझे भी हिंदी बिल्कुल नही आता था। लेकिन वायुसेना में भर्ती होने के बाद मुझे यह पता चला कि हिंदी इतनी सरल और मधुर भाषा है। मुझे हिंदी सीखने से बहुत फायदा मिला। हिन्दुस्तान के अलग- अलग कोने में रहने वाले लोगों से आसानी से बात कर सकता हूँ। हम सभी को अपनी मातृभाषा सीखने के साथ -साथ राष्ट्रभाषा हिंदी भी सीखनी चाहिए। उदाहरण केलिए एक बडे घर में बहुत लोग मिलजुल कर रहते है, अगर सारे लोग अलग भाषा में बात करेंगे तो वहाँ एकता नजर नही आएगी। अगर वहाँ पर एक भाषा होती तो, एकता नजर आती। भारत की एकता केलिए राज्य के

अलग -अलग कोने में रहने वाले लोगों को बचपन से ही हिंदी सीखनी चाहिए। आजकल तकनॉलजी इतनी बढ गयी है कि यह बात अपनी हथेली में है।

बचपन से मेरे मन में देशभक्ति का मतलब था, जो जवान अपना जीवन देश केलिए बलिदान करता है, क्योंकि चरित्र और किताबों ने यही सिखाया था। लेकिन, सेना में भर्ती होने के बाद यह पता चला कि देश की भलाई केलिए कुछ भी करोगे तो भी देशभक्ति कहलाएंगी।

वर्ष 2005, अक्तूबर 7 तारीख को भारत और पाकिस्तान के बॉर्डर पर एक भयंकर भूकंप हुआ था। श्रीनगर वायुसेना बल में हम लोग इस भयंकर भूकंप द्वारा हुए हानि को निपटाने में व्यस्त थे। जब हमारे देश के किसी भी कोने पर किसी तरह की भी हानि होती है तो हम लोग उधर पहुँचकर उन लोगों की सहायता करते है। पहाड क्षेत्र में हुए इस भयंकर भूकंप ने काफी नुकसान पहुँचाया था, इसको निपटाने में श्रमशक्ति और हेलिकॉप्टर द्वारा मदद की जरूरत थी। मैं और मेरे साथियों ने मिलकर इस काम को खत्म किया। पहाड क्षेत्र में घायल हुए लोगों को प्राथमिक चिकित्सा एवं प्रमुख चिकित्सा की व्यवस्था की। लोगों को खाना, कपडे, नष्ट हुए मकानों के बदले नए मकान बनाने की व्यवस्था भी हम लोगों ने किया। अपनी देश की सेवा करने का अनमोल मौका मैने खुशी से किया।

श्रीनगर में कार्यकाल पूरा करने के बाद, मेरी पोस्टिंग तमिलनाडु के नागपट्टिनम में हुआ। वहां पर सुनामी की लहरों से हुए हानि से लोग काफी परेशान थे। वहाँ के लोगों को भी मदद करने का मौका मुझे मिला। मैं यह विश्वास करता हूँ कि देशभक्ति सिर्फ क्रिकेट और पुटबॉल जीतने से ही नहीं बल्कि हर काम पर प्रकट होना चाहिए।

देशभक्ति का मतलब केवल इतना नहीं है कि युद्ध या आतंकवादी हमले में जीवन का त्याग करना। हाल ही में केरल राज्य में एक भयंकर प्रलय हुआ, तो राज्य के विभिन्न हिस्सों से लोग यहाँ आए और प्रभावित लोगों को बचाया। यह असली देशभक्ति दिखाता है।

देशभक्ति की सोच बचपन से ही शुरू होनी चाहिए। बडे होकर भी हमें अपने देश के विकास के साथ मिलकर देश का नाम विश्व प्रसिद्ध करना चाहिए। हाल ही में भारत खेल प्रतियोगिता में अपनी पहचान विश्व के सामने प्रदर्शन कर चुका है, जैसे पी वी सिंधु, दीपा कर्मकर, नीरज चॉप्रा एट्सेटरा उदाहरण है। इन नौजवानों ने भारत का झंडा विश्व के सामने खडा करने केलिए काफी परिश्रम की है। हम सभी को राष्ट्र के निर्माण में शामिल होना चाहिए और भारत का तिरंगा झंडा विश्व में प्रतिबिंबित करना चाहिए।

भारतीय वायुसेना में मेरे 20 वर्षों के अनुभव से मैं यह कह सकता हूं कि इसमें शामिल होना देशभक्ति व्यक्त करने का सुनहरा मौका है। इस बल ने मुझे मजबूत बना दिया और मुझे अपने पैरों में खडे होने का काबिल बनाया।

जब हम देशभक्ति के बारे में बात करते हैं तो हमें धर्म, आतंकवाद, रंग, जाति आदि के बारे में बात न करके केवल इतना ही कहना चाहिए कि हम भारतीय हैं।

जय हिंद। जय भारत। ■

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के सिलसिले में, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के विप्स सेल और सीआईआई के महिला विंग और इंडिया वुमन नेटवर्क ने एकसाथ मिलकर दिनांक 08 मार्च 2018 को कुशलता विकास पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। सुश्री सुजाता मेनन, एक प्रमुख प्रशिक्षक ने कुशलता विकास पर और ब्रह्मकुमारी सिस्टर दीपा ने तनाव प्रबंधन पर एक सत्र चलाया। सीआईआई - इंडिया वुमन नेटवर्क के अध्यक्षा सुश्री मीनु मात्यु इस अवसर पर उपस्थित थी। ■

शब्दावली

संबंधी	
അമ്മ	माँ/ माता
അച്ഛൻ	पिता
അനുജൻ	छोटा भाई
അനുജത്തി	छोटी बहन
അമ്മാവൻ	मामा
അമ്മായി	मामी
അമ്മൂമ്മ	नानी/ दादी
അപ്പൂപ്പൻ	नाना/ दादा
അനന്തിരവൻ	भानजा
അനന്തിരവൾ	भानजी
അളിയൻ	साला
അപ്പച്ചി	बुआ
ഇളയച്ഛൻ	चाचा
ഇളയമ്മ	मौसी
അമ്മാവൻ	ससुर
അമ്മാവി	सास
ചെറുമോൻ	नाती/ पोता
ചെറുമോൾ	नातिन/ पोती
ചേട്ടൻ	बड़े भाई
ചേച്ചി	बड़ी बहन/ जीजी
ചേട്ടത്തി	भाभी
ചേട്ടൻ	जीजाजी
നാത്തൂൻ	ननद
മകൻ	बेटा
മകൾ	बेटी
മരുമകൻ	दामाद
മരുമകൾ	बहू
സഹോദരൻ	भाई
സഹോദരി	बहन
വലിയച്ഛൻ	ताऊ
വലിയമ്മ	ताई

शरीर के अंग	
തല	सिर
തലമുടി	बाल
നെറ്റി	माथा
പുരികം	भौंह
കൺപോള	पलक
കണ്ണ്	आँख
മൂക്ക്	नाक
കവിൾ	गाल
വായ്	मुँह
ചുണ്ട്	ओंठ
പല്ല്	दाँत
നാക്ക്	जीभ
തൊണ്ട/കഴുത്ത്	गला
ചെവി	कान
നെഞ്ച്	छाती
തോള്	कन्धा
വയറ്	पेट
കൈ	हाथ
ഉള്ളംകൈ	हथेली
കൈമുട്ട്	कुहनी
കൈക്കുഴ	कलाई
വിരൽ	उंगली
ഇടുപ്പ്	कमर
മുതുക്	पीठ
നട്ടെല്ല്	रीढ़
ഹൃദയം	हृदय
തുട	जाँघ
കാൽമുട്ട്	घुटना
കാല്	पैर
ഉപ്പൂറ്റി	एड़ी
നഖം	नाखून
തലച്ചോറ്	दिमाग
ശരീരം	बदन
താടി	दाढी
പാദം	पाँव

खाने पीने की चीज़ें	
അരി	चावल
ഗോതമ്പ്	गेहूं
ചമ്മന്തി	चटनी
പുളി	इमली
പരിപ്പ്	दाल
മുളക്	मिर्च
കുരുമുളക്	कालीमिर्च
തൈര്	दही
പാൽ	दूध
വെണ്ണ	मक्खन
മുട്ട	अंडा
ഇറച്ചി	मांस
വിന്നാഗിരി	सिरका
തേൻ	शहद
മഞ്ഞൾ	हलदी
കടുക്	सरसों
മല്ലി	धनिया
പയർ	मूंग
തുവര	अरहर दाल
ഉഴുന്ന്	उड़द
എള്ള്	तिल
ചൗവ്വരി	साबुदाना
ഏലയ്ക്കാ	इलायची
ഗ്രാമ്പു	लौंग
കായം	हींग
കടല	चना
പഞ്ചസാര	चीनी
ഉപ്പ്	नमक
ശർക്കര	गुड
കടലമാവ്	बेसन
വെളുത്തുള്ളി	लहसुन

भेद्यता विश्वास

सार्वजनिक उपक्रम में काम करने की अच्छी बात यह है कि हमें संविधान की अधिक सुरक्षा है बल्कि निजी क्षेत्र में काम करने पर हमें ऐसा नहीं मिलता है । इसका मतलब यह है कि हमें और अधिक स्वतंत्रता है । लेकिन फिर भी हम बहुत से स्वयं लगाए प्रतिबंध के तहत काम कर रहे हैं जो बदले में हमारे ऊपर तनाव पैदा करता है ।

ऐसे प्रतिबंध में से एक भेद्यता विश्वास से संबंधित है ।

हमारे जैसे उद्योग में, टीम वर्क कार्य-निष्पादन के मुख्य अंग है । किसी भी टीम की सफलता विश्वास के स्तर में निहित है जो टीम के सदस्यों के बीच मौजूद है । ऐसा विश्वास दो प्रकार का हो सकता है :

1. पूर्वानुमानित विश्वास
2. भेद्यता विश्वास

पूर्वानुमानित विश्वास वह विश्वास है जो टीम के सहयोग से आता है। भेद्यता से आधारित विश्वास का मतलब पैट्रिक लिंकोनी ने अपनी पुस्तक दि फाइव डिसफंगशन्स ऑफ ए टीम में बताया कि "भेद्य होने केलिए लोग या टीम की तत्परता और एक दूसरे के साथ मानव होने की इच्छा" । जब एक सहकर्मी बोलता है कि, "मैंने एक गलती की है", तब वह भेद्यता आधारित विश्वास दिखाता है । टीम

मुकेश शंकर एम एस
वरिष्ठ प्रबंधक

एक इकाई के रूप में काम करने केलिए अपनी सभी भेद्यताओं में एक साथ आती है और उस कमजोरी को ताकत में बदल देती है । इस तरह एक भेद्यता तरीके से किसी पर भरोसा करना एक से अधिक आसान लगता है । हालांकि जब प्रत्येक टीम के सदस्य के बीच सच्चा विश्वास होता है कि सहकर्मी के इरादे अच्छे होते हैं, तो, भेद्यता विश्वास का निर्माण शुरू हो जाता है ।

जब प्रत्येक टीम के सदस्य को पता है कि एक दूसरे केलिए सुरक्षात्मक या सतर्क रहने का कोई कारण नहीं है, तो, टीम का प्रदर्शन बेहतर होता है और शिपयार्ड जादू सृजित होता है । ■

बोलचाल की हिंदी में प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 21 अगस्त 2017 से 25 आगस्त 2017 तक अधिकारियों एवं कर्मचारियों केलिए दो बैचों में बोलचाल की हिन्दी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री राधाकृष्णन के, प्रबंधक (राजभाषा) (एसबीटी सेवानिवृत्त) और श्री पी एन संपत्त कुमार, सहायक मह प्रबंधक कार्यक्रम के संचालक थे। कुल 47 कर्मचारियों ने कार्यक्रम में सफल रूप से भाग लिया। ■

राजस्थान के बिश्नोई समाज

पी. एन. संपत्त कुमार
सहायक महा प्रबंधक

कंपनी के 'सीएसआर विभाग' में स्थानांतरण होने पर मुझे बहुत सारे ऐसे समूहों और उनकी समस्याओं को समझने और अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ। सामाजिक विज्ञान जो हमने छोटे क्लास में एक विषय के रूप में जरूर पढा है, परन्तु मैं सुनिश्चित रूप से यह कह सकता हूँ कि हम में से किसी ने भी इस विषय को गंभीरता सं नहीं लिया होगा। हालांकि समाज विज्ञान की यह शाखा आज कल इंजीनियरी और मेडिसिन के बराबर प्रामाणिकता प्राप्त कर रही है और बहुत से बच्चे इस शाखा को अपनी उच्च स्तरीय शिक्षा एवं उसे एक करियर ऑप्शन के रूप में देख रहे हैं।

इस विभाग में बहुत ही अनुभवी लोगों के संगत में काम करने का अवसर प्राप्त हो रहा है और वह ही मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है, जिस में पॉल साहब, जिनका समाज विज्ञान और उसके प्रयोग में हासिल किया हुआ अनुभव हमारे लिए एक संपत्ति है। पॉल साहब ने करीब चार दशाब्द पहले अपना औद्योगिक जीवन राजस्थान में एक समाज सेवक के रूप में शुरू किया।

समाज सेवा का काम आज कल की तरह प्रोफेशनल होने से काफी पहले इस फील्ड में स्वेच्छा से वे आये और राजस्थान और उस समय पिछडा हुआ और अनेक क्षेत्र को अपना कर्म मंडल बनाया। जब भी समय मिला हम ने उनको अपने अनुभव बांटने केलिए प्रेरित किया और वैष्णव समाज के संगत काम करने का अनुभव उन्होंने ऐसे एक अवसर पर हमको बताया। यह वास्तव में उनको लिखना चाहिए पर स्वयं कहानीकार बनने की विमुखता या समय के अभाव के कारण पॉल साहब लिखना नहीं चाहते। इसलिए मेरी इस दुस्साहस केलिए माफी मांगते हुए मैं शुरू कर रहा हूँ।

कहानी की शुरूआत हुआ जब वे जयपुर से छुट्टी बिताकर आते वक्त मेरे लिए खास रूप से एक तोफा दिया- एक बोतल अचार। मैंने उसे अत्यंत खुशी से स्वीकार किया। रात के खाने में श्रीमती जी ने अचार को परोसते हुई बोली कि यह कुछ विचित्र रूप के सब्जी से बनाया गया अचार है। हल्का सा कडुवा था पर स्वादिष्ट भी था।

अगले दिन सुबह ही ऑफिस में पॉल साहब ने पूछा... कैसा था अचार? मैं भी उन्हें पूछने वाला था कि किस से बनायी गयी है ये अचार? उसके उत्तर में उन्होंने मुझे बिश्नोय समूह की कहानी बताई।

कल्प वृक्ष

खेजडी राजस्थान में पाई जाने वाली एक पेड है, जिसके फल से बनाई गयी थी ये अचार। खेजडी का फल सांगरी कहलाता है, जिसकी सब्जी भी बनाई जाती है।

बिश्नोई समाज खेजडी को कल्प वृक्ष मानकर पूजा करते हैं। कल्प वृक्ष का अर्थ पुराणानुसार स्वर्ग की एक वृक्ष है जिसकी छाया में पहुँचते ही सब कामनाएँ पूर्ण हो जाती हैं। लाक्षणिक अर्थ में ऐसा व्यक्ति जो दूसरों की बहुत उदारतापूर्वक सहायता करता हो, कल्प वृक्ष माना जाता है। यह बहुत बडा दानी वृक्ष है। यह एक प्रकार का वृक्ष है, जो बहुत अधिक ऊँचा, घेरदार और दीर्घजीवी होता है। ऐसे ही कुछ पेडों में से एक है खेजडी का पेड, जो वहां के लोगों केलिए बहुत उपयोगी है।

गर्मी के मौसम में जानवर राहत पाने केलिए इसी पेड के नीचे

आते हैं। इस पेड से बने चारे को लंग कहते हैं जबकि इसका फूल मींझर कहलाता है। इसके फल को सांगरी कहते हैं यह फल सूखने के बाद खोखा बन जाता है जो एक सूखा मेवा है। इस पेड की लकडी मजबूत होती है जो किसानों केलिए जलाने और फर्नीचर बनाने में काम आती है। इसकी जड से हल बनाया जाता है।

पुनः बिश्नोई समाज की ओर.....

200 वर्ष पूर्व मारवाड (जोधपुर) के महाराजा ने अपने राज्य में पेड काटने का आदेश जारी किया। शाही हलकारों कामगारों ने आदेश का पालन करते हुए पेड काटना शुरू किया। पेड काटते हुए वे एक दिन बिश्नोईयों के एक गांव में पहुंचे एवं अमृता नाम का बिश्नोई समूह के एक व्यक्ति के खेत से खेजडी का पेड काटने लगे। अमृता बिश्नोई एवं उनकी दो बेटियां उन पेडों से चिपक गयी। मारवाड के शाही हलकारों ने अमृता बिश्नोई एवं उनकी बेटियों के हाथ काट डाले। आंदोलन हुआ पेड बचाओं। इस पूरे आंदोलन में 84 गाँवों के 300 से ज्यादा बिश्नोईयों ने अपनी जान दी। बात जब जोधपुर के महाराजा तक पहुंची तो वे खुद अमृता बिश्नोई के घर आये और मांफी मांगी। पेड काटने का शाही आदेश वापस लिया। खेजडी को रेगिस्तान का राजकीय वृक्ष घोषित किया।

आगे चलकर इस आंदोलन ने भारत में लोगों को चिपको आंदोलन केलिए प्रेरित किया।

बिश्नोई समाज का वन्य जीव प्रेम

बिश्नोईयों केलिए पर्यावरण और वन्यजीवों की रक्षा करना

उनका जीवन सिद्धांत है। राजस्थान के बिश्नोई समुदाय के लोग चिंकारा के साथ परिवार के सदस्यों से व्यवहार करते हैं और उनसे बेइंतहा प्यार करते हैं। बिश्नोईयों के गांवों में हिरण और चिंकारा परिवार के बच्चों की तरह पाली जाती हैं।

1998 में इसी प्रदेश के मथानिया गांव में एक मशहूर अभिनेता ने फायरिंग से एक काले हिरण (दुर्लभ चिंकारा) की हत्या कर दी थी। तुरंत बिश्नोई समाज ने उस अभिनेता का पीछा करना शुरू किया। आगे अभिनेता की जीप पीछे बिश्नोई समाज की गाडियां। जोधपुर शहर की सडकों पर आधी रात को सनसनी फैल गयी।

बिश्नोई समाज ने हार नहीं मानी। अभिनेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। लोग जमीन, जायदाद, खेत, खलिहान, मकान केलिए इतनी लंबी अवधि तक मुकदमा नहीं लडते, जितनी लंबी अवधि तक एक निरीह मासूम हिरण केलिए बिश्नोई समाज ने मुकदमा लडा।

मारवाड (जोधपुर) और बीकानेर स्टेट में सैंकडों गांव बिश्नोई समाज के लोग बसे हुए हैं। इनका मुख्य कार्य खेती एवं पशुपालन है।

दिलचस्प है...ना ?...

आखिर में पॉल साहब ने यह कहते हुए इस बात को समाप्त किया कि राजस्थान में आने वाले देशी- विदेशी सैलानियों को यह ख्याल रखना चाहिए कि 'यहां की मेहमान- नवाजी विश्व प्रसिद्ध हैं, किन्तु यहां आकर पर्यावरण एवं वन्य जीवों को नुकसान किया तो बिश्नोई समाज छोडेंगे नहीं, यह तय है।' ■

हिंदी कार्यशाला

अप्रैल- जून 2017 तिमाही की हिंदी कार्यशाला दिनांक 16 मई, 2017 (मंगलवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्रीमती एम सी शीला, सहायक निदेशक (रा भा) एवं सचिव, कोच्ची टॉलिक कार्याशाला के संचालक थी। सबसे पहले उन्होंने अपनी आवाज से सभी

प्रतिभागियों को अपने हाथ में ले लिया और इसलिए ही बडे उत्साह से कक्षा में भाग लिया। उन्होंने मुख्य रूप से टिप्पण व आलेखन विषय पर कक्षा चलायी। भागीदारों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित प्रमुख टिप्पणियों के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ राजभाषा नियम, अधिनियमों के प्रमुख नियमों पर प्रकाश डाला। टिप्पणी व आलेखन पर भागीदारों को अभ्यास करवाया। केन्द्र सरकारी कार्यालय होने के नाते हिंदी कार्यान्वयन के महत्व, कार्यान्वयन में हरेक कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका आदि के बारे में स्पष्ट रूप में बताया। कुल 7 अधिकारियों, 4 पर्यवेक्षकों और 12 कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यशाला अधिक महत्वपूर्ण रहा। ■

जुलाई- सितंबर की एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला दिनांक 16 अगस्त, 2017 (बुधवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्री देवराज पणिक्कर, प्रबंधक (राजभाषा)- सेवानिवृत्त, एफसीआई कार्यशाला के संकाय थे। उन्होंने मुख्य रूप से टिप्पण व आलेखन पर विस्तृत रूप में कक्षा चलायी और भागीदारों को इस विषय पर प्रश्नावली देकर अभ्यास करवाया। यह भागीदारों केलिए बहुत ही लाभदायक रहा। साथ ही, अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली पर भी प्रश्नावली के जरिए अभ्यास करवाकर उन्होंने कक्षा चलायी। इसके साथ उन्होंने राजभाषा नियम, अधिनियमों के प्रमुख नियमों पर भी प्रकाश डाला। 9 अधिकारियों, 19 कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। ■

अक्तूबर- दिसंबर तिमाही की एक- दिवसीय हिंदी कार्यशाला दिनांक 14.12.2017 (गुरुवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्री कृष्णकुमार एम जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान लेखापरीक्षा कार्यालय, कोच्ची कार्यशाला के संकाय थे। उन्होंने मुख्य रूप से हरेक विभाग में प्रयोग करनेवाले वाक्यांशों और शब्दों को लेकर विस्तृत रूप से हिंदी कार्यशाला आयोजित किया। साथ ही, हिंदी व्याकरण पर भी विस्तृत रूप से कक्षा चलाया। इसके साथ

उन्होंने राजभाषा नियम, अधिनियमों के प्रमुख नियमों पर भी प्रकाश डाला। भागीदारों को भी कार्याशाला में उन्होंने पूर्ण रूप से शामिल करके कक्षा चलाया। कार्यशाला संपूर्ण तरीके में एक आपसी बातचीत के रूप में आयोजित किया था। भागीदारों ने कार्यशाला का पूरी तरह फायदा उठाया। 9 अधिकारियों, 18 कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। ■

जनवरी-मार्च, 2018 तिमाही की एक- दिवसीय हिन्दी कार्यशाला दिनांक 14.02.2018 (बुधवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्रीमती टी पी लीना, हिन्दी अनुवादक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, कोच्ची ने

कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने सबसे पहले भागीदारों से अपना परिचय हिन्दी में करवाया। बाद में उन्होंने संक्षिप्त रूप में राजभाषा नियम, अधिनियम, नीति, वार्षिक कार्यक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन से जुडे विविध मदों केलिए निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया। उन्होंने भागीदारों को अवगत कराया कि वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति सिर्फ हिन्दी अनुभाग का काम नहीं है, बल्कि कार्यालय के पूरे कर्मचारियों का उत्तरदायित्व है। उन्होंने सभी की जानकारी केलिए हरेक के कार्य क्षेत्रों में नियमित रूप से प्रयोग की जानेवाली वाक्यांशों का अनूदित रूप बताया जो बहुत ही उपयोगी रहा। साथ ही भागीदारों को प्रशासनिक शब्दावलियों की कुछ नमूने देकर हिन्दी में करने हेतु प्रेरित किया। 8 अधिकारियों और 16 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया। ■

कोच्ची नगर निगम को दो डबल एन्डड रो-रो फेरियों की सुपुर्दगी

सीएसएल ने दिनांक 30 जून 2017 को कोच्ची नगर निगम को दो डबल एन्डड रो-रो फेरियों को सुपुर्द किया है । सेतुसागर - 1 (सीएसएल यार्ड सं. बीवाई96) और सेतुसागर -11 (सीएसएल यार्ड सं. बीवाई-97) के सुपुर्दगी दस्तावेज और स्वीकृति पत्र में श्रीमती अनुजा ए एस, सचिव, कोच्ची नगर निगम और श्री बिजोय भास्कर, मुख्य महा प्रबंधक (डिजाइन एवं रक्षा परियोजनाएं), सीएसएल ने हस्ताक्षर किया । इस अवसर पर श्री सण्णि टॉमस, श्री हारिस पी एम, स्थायी समिति अध्यक्ष, केएमसी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियां उपस्थित थे ।

वेसल की लंबाई 27 मीटर और चौडाई 8.25 मीटर है जिसे 6 नोट तक गति प्राप्त कर सकते हैं । फेरियों में 18 कार इसके साथ 50 यात्रियों और 12 कार एवं 10 लॉरियों इसके अतिरिक्त 50 यात्रियों को संभाल सकते हैं। ■

गाँव का पेड़

पूर्णिमा आर नायर
श्रीमती बिन्दु कृष्णा,
वरिष्ठ प्रबंधक (कानूनी) की सुपुत्री

राजस्थान के एक छोटे से गाँव के बीच में एक बडा पेड़ था। उस पेड़ पर न फल लगते थे न फूल। लेकिन गाँव के बच्चों को वह पेड़ बहुत प्यारा था। बच्चे पेड़ के आगे पीछे खेलते और पेड़ के नीचे आराम करते और दोस्तों से बातचीत करते थे।

एक दिन गाँव में पास के शहर से एक व्यापारी आया। उसने इस पेड़ को देखा और सोचा 'इस पेड़ को काट देना चाहिए इसमें कोई गुण नहीं हैं'।

तभी जोर कि आंधी आई और बारिश हुई। व्यापारी दौड कर पेड़ के नीचे खडा हो गया। थोडी देर बाद वह पेड़ के नीचे ही सो गया।

जब व्यापारी की आँख खुली तब बारीश बन्द हो गई थी। उसने सोचा मुझे आज तक इतनी अच्छी नींद नही मिली और इतना ताजगी नहीं मिली। उसे समझ में आया कि हर एक पेड़ अमूल्य है।

स्वतंत्रता दिवस

कोचीन शिपयार्ड में बडे उमंग और उत्साह से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

सीएसएल कर्मचारी, केऔसुब दल के सदस्य और समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों ने एक संयुक्त परेड प्रस्तुत किया था, जो सीएसएल के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कामगारों द्वारा देखा गया था।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सत्रह कर्मचारियों को कोचीन शिपयार्ड में अपने उत्कृष्ट निष्पादन केलिए व्यक्तिगत रूप से नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र तथा पंद्रह कर्मचारियों को पांच विभिन्न ग्रूपों में नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया था। श्री मधु एस नायर ने पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिए। ■

गणतंत्र दिवस समारोह

दिनांक 26 जनवरी 2018 को कोचीन शिपयार्ड में गणतंत्र दिवस समारोह बडी उमंग के साथ मनाया गया । श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और परेड का निरीक्षण किया। सीआईएसएफ आनुषंगिक और समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान कैडटों ने संयुक्त रूप से परेड का आयोजन किया । उन्होंने हमारे कार्यस्थान में सुरक्षा की ओर प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्थान में प्रस्तुत बोर्ड में अपना हस्ताक्षर डाला। वहां उपस्थित सभी कर्मचारियों ने बोर्ड पर हस्ताक्षर डालकर सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही साथ, इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कर्मचारी उत्कृष्ठता पुरस्कार योजना के अधीन नौ कर्मचारियों को 'अध्यक्षीय पुरस्कार' एवं छह कर्मचारियों को प्रशस्त्रि पत्र भी दिया गया। श्री पॉल रंजन डी, निदेशक (वित्त), श्री सुरेष बाबु एन वी, निदेशक (प्रचालन), श्री पी सी मात्यु, सहायक कामन्डैन्ट, सीआईएसएफ, सीएसएल और सीआईएसएफ के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों और उनके परिवार इस अवसर पर उपस्थित थे । ■

कोचीन शिपयार्ड में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

वर्ष 2017-18 के दौरान, कंपनी अर्थपूर्ण एवं महत्वपूर्ण सीएसएल पहलों में जुडी हुई थी, जिससे कंपनी को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत सराहना मिली थी । कंपनी में एक समर्पित सीएसआर कक्ष है, जिसमें मुख्य महा प्रबंधक की अध्यक्षता में सामाजिक क्षेत्र में विशाल अनुभव वाले सहायक महा प्रबंधक और दो पूर्णकालिक सीएसआर पेशेवर भी शामिल हैं, जो कंपनी में गतिविधि का केंद्र है।

सिविल, यूएंडएम, वित्त एवं मानव संसाधन और नौसेना वास्तुविद् जैसे विविध विभागों से नामित अधिकारियों से एक कार्यपालक समिति गठित की है, जिसमें महा प्रबंधक अध्यक्ष द्वारा हर महीने बैठक बुलाया जाता है, परियोजना की प्रगति का मूल्यांकन किया जाता हैं और बोर्ड की सीएसआर समिति के विचार केलिए नए प्रस्तावों पर विचार/ सिफारिश रखा जाता हैं। ज्यादातर परियोजनाएं केरल से थीं, जहां कंपनी स्थित है, जो अधिनियम 2013 की अनुसूची VII में बताए सीएसआर हस्तक्षेपों के सबसे सामान्य क्षेत्रों को समादिष्ट करती है।

केरल राज्य के बाहर, कंपनी ने गंगा नवीकरण केलिए अंशदान दिया है, जो भारत सरकार के प्रमुख सफाई कार्यक्रमों में से एक है। फिर भी, समाज के आर्थिक रूप में गरीब और कमजोर वर्गों जिसमें अशक्त कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक आदि भी शामिल है, केलिए स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और पेयजल आदि सीएसएल सीएसआर के मुख्य ध्यान केन्द्रित क्षेत्र हैं । इस वर्ष भी, कुल सीएसआर बजट के 33% भारत सरकार के स्वच्छ भारत पहलों के अधीन परियोजनाओं केलिए आबंटित किया गया है।

केरल के तटीय क्षेत्रों सहित स्कूलों और गांवों में शौचालय निर्माण सहित कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने केलिए विशेष पहल की गई थी, जहां स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता की समस्या एक प्रमुख मुद्दा है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित और आबंटित सांविधिक सीएसआर बजट 857.08 लाख रुपए है ।

सीएसएल ने एक प्रभावी सीएसआर नीति और योजना कार्यान्वयन मशीनरी स्थापित की है । सीएसआर कार्यान्वयन मशीनरी में तीन स्तरीय सिस्टम शामिल हैं : 1. सीएसएल बोर्ड, 2. सीएसएल बोर्ड स्तरीय सीएसआर समिति, 3. सीएसएल सीएसआर कार्यकारी समिति जिसमें 6 कार्यात्मक वरिष्ठ स्तरीय कार्यपालक शामिल हैं । सीएसएल को गैर सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, जिला प्रशासन, सहकारी संस्थाओं और स्थानीय निकायों आदि जैसे विभिन्न एजेंसियों से सीएसआर समर्थन केलिए प्रस्ताव या आवेदन प्राप्त होते हैं । सीएसएल द्वारा प्राप्त प्रत्येक प्रस्तावों को सीएसएल सीएसआर कार्यपालक समिति और सीएसएल सीएसआर कक्ष द्वारा जांच की जाती है । सभी प्रस्तावों को सीएसआर बोर्ड स्तरीय समिति के सामने पेश की जाती है, इसके बाद समिति अनुमोदन केलिए बोर्ड के सामने पहचान की गई परियोजनाओं की सिफारिश करती है। परियोजनाओं को कार्यान्वयन अभिकरण और सीएसएल के बीच किए समझौता ज्ञापन के जरिए अनुसूची के अनुसार सीएसएल सीएसआर टीम द्वारा पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन के अधीन संबंधित अभिकरणों द्वारा की जाती है। सीएसएल सीएसआर टीम द्वारा नियमित रूप से पूरी की गई परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन की जाती है। इसी आवधिक पुनरीक्षा रिपोर्टों को बोर्ड स्तरीय समिति को और इसके जरिए बोर्ड को प्रस्तुत की जाती है । वर्ष के दौरान, कंपनी ने अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से परियोजनाओं की पहचान, चयन और प्राथमिकता केलिए प्रक्रिया को आगे बढाने हेतु "मानक संचालन प्रक्रिया" अपनाई है । वर्ष के दौरान की गई मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार हैं :

- हरित केरलम - 50 दिनों के अंतर्गत 100 तालाबों का नवीकरण
- लक्षद्वीप को ओडीएफ पदवी प्राप्त करने केलिए लक्षद्वीप में घर-घर में शौचालयों के निर्माण केलिए सहायता ।
- आलप्पी के तटीय लोगों केलिए शौचालयों का निर्माण ।
- एर्णाकुलम बैकवाटर के पार्क अवन्यू क्षेत्र में स्थित सुभाष चंद्र बोस पार्क में मूर्तियों के नवीकरण केलिए सहायता ।
- एनएमसीजी केलिए स्वच्छ गंगा मिशन गतिविधियों केलिए सहायता ।
- "ज्ञानुम एंटे भूमियुम ज्ञानुम एंटे समूहवुं" नामक पुस्तक प्रकाशित करने केलिए वित्तीय सहायता ।

- हरिताद्रता सांत्वनम केलिए सहायता - एक 27 दिनों का स्वच्छता जागरूकता अभियान ।
- पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं का प्रचार जो प्रदूषण को कम करता है और अधिकारहीन महिलाओं की आय में वृद्धि होता है।
- विवेकानंदा आदिवासी आवासीय स्कूल, मट्टिलयम, वेल्लमुंडा, वयनाड जिले में लडकियों के छात्रावास केलिए नए सेप्टिक टैंक के निर्माण हेतु सहायता।
- अरणट्टुक्करा, तृश्शूर जिले में ऑटिस्टिक बच्चों केलिए ऐर्ली इंटरवेंशन एवं सेंसरी इंटग्रेशन थेरापी यूनिट के निर्माण केलिए वित्तीय सहायता।
- ब्लॉक पंचायत, वेलियनाड, आलप्पी जिले में अपरिपूर्ण इंदिरा आवास योजना हाउस की पूर्ति केलिए वित्तीय सहायता।
- बीपीएल परिवारों के 60 बेरोजगार युवाओं केलिए वेल्डिंग प्रौद्योगिकी में कुशलता विकास केलिए वित्तीय सहायता।
- सोलेस द्वारा अरणाट्टुक्करा, तृश्शूर जिले में उपबोधन एवं पुनर्वास प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण केलिए वित्तीय सहायता।
- विवेकानंदा रॉक मेम्मोरियल एवं विवेकानंदा केन्द्र, कन्याकुमारी में 50 सीटर मराइन बोट की खरीदी केलिए वित्तीय सहायता।
- वाषूर, कोट्टयम जिले में पुण्यम ट्रस्ट के वृद्धजनों केलिए पुनर्वास एवं योगा केन्द्र की स्थापना केलिए वित्तीय सहायता।
- जहरीले सांप द्वारा काटनेवाले मरीजों को प्रभावी रूप से इलाज करने केलिए लिटिल फ्लवर अस्पताल और रिसर्च सेंटर, अंगमाली में डायलिसिस क्लिनिक सपोर्ट प्रोगाम केलिए वित्तीय सहायता।
- वन्य जीवन ट्रस्ट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा केरल और लक्षद्वीप जल के वेल शार्क के संरक्षण केलिए वित्तीय सहायता।
- शुधीन्द्रा मेडिकल मिशन, एर्णाकुलम द्वारा न्यूनतम 25 जॉयन्ट रीप्लेसमेंट सर्जरीस केलिए वित्तीय सहायता।
- एसआरवी गवन्मेंट मोडल हाई स्कूल, एर्णाकुलम में आईटी लैब स्थापित करने केलिए वित्तीय सहायता।
- 'वेलिच्चम' शिक्षा परियोजना केलिए वित्तीय सहायता।
- कूवपाडम, कोच्ची में निराश्रित बच्चों केलिए नंदनम बालसदनम बिल्डिंग केलिए सहायता।
- विशेष जरूरतों के बच्चों के देखभाल हेतु रक्षा सोसाइटी को स्कूल बस केलिए सहायता।
- तेक्कुमभागम - विषिज्ञम, तिरुवनंतपुरम के अधिकारहीन महिलाओं केलिए एक प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र केलिए सहायता।
- पंडिट करुप्पन मेम्मोरियल लाइब्रेरी एवं रीडिंग रूम, तेवरा, कोच्ची में एक कंप्यूटर लैब एवं स्मार्ट क्लास रूम केलिए सहायता।
- एसएमवी हाइर सेंकेन्डरी स्कूल, पूंजार, कोट्टयम जिले में सेन्टनेरी मेम्मोरियल स्किल डेवलपमेंट ब्लॉक केलिए सहायता।
- एट्टुमानूर, कोट्टयम जिले में मानसिक रूप में अशक्त केलिए स्नेहभवन स्पेशल स्कूल को नए स्कूल बस केलिए सहायता।
- तृपूणित्तुरा में अशक्त व्यक्तियों केलिए एक विशेष स्कूल - 'मृदुलस्पर्शम' केलिए वाहन और अन्य उपकरणों केलिए सहायता।
- आश्रय चारिटबिल सोसाइटी, कलयपुरम, कोल्लम में आम्बुलेंस केलिए सहायता।
- विद्यापोषणम - पोषकसमृद्धम परियोजना (छात्रों केलिए मध्याह्न भोजन) केलिए सहायता।
- अखिल केरल बालोत्सव 2017 केलिए सहायता। ■

आधुनिक फिशिंग वेसल के निर्माण केलिए समझौता ज्ञापन

फिशिंग वेसलों के डिजाइन और निर्माण केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और केंद्रीय मात्सियकी प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत सरकार ने दिनांक 29 अगस्त 2017 को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया। कोचीन शिपयार्ड की ओर से श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी) और सीआईएफटी की ओर से, श्री सी एन रविशंकर, निदेशक, सीआईएफटी, श्री मधु एस नायर, सीएमडी, सीएसएल और सीएसएल तथा सीआईएफटी और सीएसएल दोनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया।

इस पहल का उद्देश्य, भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'नीली क्रांति' के दायरे में फिशिंग वेसलों के निर्माण और डिजाइन में बेंचमार्क और मानकें सृजित करने तथा भारत में मात्सियकी क्षेत्र मे शुरू से अंत तक समाधान सक्षम बनाना है।

समझौते के अनुसार, सीआईएफटी को नौ वास्तुविद् कृषि मंत्रालय के अधीन कृषि अनुसंधान के भारतीय परिषद वेसलों का डिजाइन करेगा, जो गुणवत्ता सामग्री और उपस्करों के उपयोग करते हुए सीएसएल द्वारा निर्माण किया जाएगा।

नोडल अधिकारियों केलिए राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम

विविध विभागों में राजभाषा हिंदी उत्कृष्ट कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। हरेक तिमाही में नोडल अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया जाता है। बैठक में विभाग से संबंधित तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा की जाती है। वर्ष के दौरान, नोडल अधिकारियों केलिए एक राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया।

कर्मचारियों के बच्चों केलिए नकद पुरस्कार

कर्मचारियों के बच्चों जिन्होंने दसवीं परीक्षा में हिन्दी में उच्च अंक प्राप्त किए हैं, को नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कुल 14 बच्चों ने नकद पुरस्कार प्राप्त किया है ।

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	माता - पिता का नाम	प्राप्त किए अंक व ग्रेड	राशि
1	अनुश्री अनूप	अनूप दास, 4405	100	3,000/-
2	भामा ए बी	ए डी बालसुब्रमण्यन, 4393	97	3,000/-
3	लक्ष्मी प्रवीण एम	प्रवीण नारायणन एम, 3925	97	3,000/-
4	वृन्दा विजयन	वी विजयन, 3015	93	3,000/-
5	एश्वर्या लक्ष्मी	राधाकृष्णन नायर के पी, 2908	92	3,000/-
6	अश्ना अब्सार	अब्सार पी बी, 3404	A+	3,000/-
7	गौरी कृष्णा के	षाजी के, 3067	A+	3,000/-
8	अवरिल ब्लेस कोरेय्या	जेरोम ओब्री कोरेय्या, 3324	A+	3,000/-
9	नेहा जोशी	जोशी पी अय्यप्पन, 3533	A+	3,000/-
10	अभिरामी टी एस	शिशुपालन के, 3443	A+	3,000/-
11	नेहा तंकराज	तंकराज सी आर , 3917	88	2,000/-
12	जिष्णु आर	राजीव ई एन, 2975	87	2,000/-
13	रेमिता राजेन्द्रन	राजेन्द्रन पी आर, 3032	A	2,000/-
14	जिल्जी वी एस	सहदेवन वी के , 3229	79	1,000/-

कर्मचारियों केलिए नकद पुरस्कार

मूल काम हिन्दी में करने केलिए कर्मचारियों को हर वर्ष नकद पुरस्कार दिया जाता है । रिपोर्टाधीन वर्ष में कुल 28 कर्मचारियों ने नकद पुरस्कार योजना में भाग लिया है ।

क्र.सं.	नाम एवं कोड सं.	पदनाम
1	श्रीमती चंद्रिका आई, 2973	उप चार्जमैन
2	श्री यदुनाथन पिल्लै के, 3111	सहायक प्रबंधक
3	श्रीमती रेखा ए जी, 3157	प्रबंधक
4	श्रीमती एमिल्डा डी सिल्वा, 3600	सहायक
5	श्रीमती जयश्रीदेवी के वी, 3646	सहायक
6	श्रीमती जिषा ईशी, 3681	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
7	श्रीमती विनीता के जी, 3735	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
8	श्री रिन्जो पॉल, 3775	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
9	श्रीमती जिल्सी पिनहेरो, 3782	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
10	श्रीमती प्रिया ए आर , 3783	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
11	श्रीमती सिजी तंकप्पन, 3784	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
12	श्री रवीष एम जी, 3923	उप प्रबंधक
13	श्रीमती संगीता संतोष के एस, 3949	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
14	श्रीमती प्रवीता गोपाल, 3954	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
15	श्रीमती जयेस पी एस, 3963	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
16	श्री टिल्सन तोमस, 3984	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
17	श्री अनीष वी आर , 4157	उप प्रबंधक
18	श्रीमती अखिला गोपालकृष्णन, 4192	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
19	श्रीमती सजिता के नायर , 4193	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
20	श्रीमती नयना विजयन के, 4196	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
21	श्रीमती अषिता के ए, 4197	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
22	श्रीमती दिव्या के वी, 4200	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
23	श्रीमती सुरभि वी एस, 4201	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
24	श्री सिनोज वी एस, 4213	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
25	श्रीमती ट्रीसा शोभी एन जे, 4449	सहायक प्रबंधक
26	श्रीमती दिव्या पी मुरली, 4702	आशुलिपिक
27	श्री अश्विन शर्मा, 4739	सहायक प्रबंधक
28	श्री अनुराज कुमार आई , 3945	कनिष्ठ तकनीकी सहायक

भारत में नकदी रहित अर्थव्यवस्था के फायदे एवं नुकसान

श्रीजा पी एस
भवन्स विद्या मंदिर (गिरिनगर)

संसार परिवर्तनशील है। समय- समय पर बदलना उसका स्वभाव है और आजकल की दुनिया तो पल भर में बदलती ही रहती है। आज दुनिया में जो करोडों बदलाव आते हैं, उनमें से एक बदलाव है, नकदी रहित अर्थव्यवस्था।

भारत में यह व्यवस्था हाल ही में बनायी गई है। अर्थ शास्त्र में चाणक्य ने कहा था, जब- जब काला धन बढता है, तब - तब

विमुद्रीकरण अनिवार्य हो जाता है। नकदी रहित व्यवस्था इसी विमुद्रीकरण का परिणाम है। 8 नवंबर 2016 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह बयान किया कि उस रात से 500 और 1000 रुपए के नोट पर बंदी लगा दी जाएगी। यह निर्णय पूरे भारत पर भारी पडा। कई लोगों को लाभ हुए, कई को नुकसान। लेकिन भारत का विकास ज्यादा फुर्ती से हुआ। इस निर्णय ने क्रांति मचा दी।

आखिर यह नकदी रहित अर्थ व्यवस्था है क्या? सोचने वाली बात है। प्राचीन काल में एक तरीके का नकदी रहित अर्थव्यवस्था का प्रचार था। आज हम इसे वस्तु विनिमय कहते हैं। एक आदमी जो चाहता था वो अपनी इच्छादायक वस्तु को लेकर कोई दूसरी वस्तु दूसरे को दे देता था। लेकिन परेशानी तब आई जब किसी को सोना चाहिए था और किसी को चावल। भला चावल के बदले सोना कैसे दे सकते हैं। इन दोनों का मूल्य एक दूसरे से काफी अलग है। तब सिक्कों और नोटों का प्रचार शुरू हुआ जो आज तक चलता आ रहा है।

अगर नकदी से अर्थ व्यवस्था इतनी अच्छे से चल ही रही है तो भला इसको क्यों बदलें? बात काले धन की है। हम सभी जानते हैं कि भारत में भ्रष्टाचार कितना फैला हुआ है। भारतीय नेताओं में से लगभग 25% नेता भ्रष्ट है। आम आदमी कुछ कर ही नहीं पाता। यदि नकदी ही ना हो तो भ्रष्टाचार बहुत कम हो जाएगा। लोगों ने तो भर- भर कर पैसे अपने पास रखें है, वे इनका उपयोग कर नहीं पाएंगे।

नकदी रहित अर्थव्यवस्था सबसे पहले 1990 में हुई थी। अमरिकी कंपनी एपिल ने इस क्रांतिकारी कदम की शुरूआत की। हम सब जानते हैं कि आज अंकित बहुआ या 'ई- वालेट' क्या है। हम अपने पैसे अंतरजाल की मदद से अपने खाते में रख सकते हैं। एक जगह से दूसरे जगह तक पैसे बेचना बहुत आसान हो गया है। आज कल 'पे टी एम' नामक कंपनी यह व्यवस्था साधारण से साधारण लोगों तक पहुंचा रही है। जब हम अपने

पास पैसे नहीं रखेंगे तो चोरी कैसे होगी? भारत में चोरी बहुत होती है। यदि हम अपने पास पैसे न रखकर सिर्फ अपनी कार्ड रखें तो चोरी की परेशानी बहुत कम हो जाएगी।

नकदी रहित अर्थव्यवस्था से वित्त मंत्रालय का जो उद्देश्य है, वो है, अमीर और गरीब के अंतर कम करना। इस व्यवस्था के कारण अमीर लोग अपने पैसे लूटने के डर से बाहर आते हैं और जो कर उन्हें सरकार को देना होता है, वो देने पर मजबूर होते हैं। जब यह पैसा सरकार के पास आता है तो गरीबों का उद्धार होता है। यहां तक कि जब गरीब लोग इस तकनीक को समझ लेते हैं जिससे पैसों का लेन देन बिना पैसे के होता है, वे आजकल की दुनिया के साथ साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। दूसरी बात यह है कि यदि हमें बडी रकम कही पर जमा करनी हो तो हमें भारी भरकम बक्से नहीं लेकर घूमना पडता, सिर्फ अपना क्रेडिट या डेबिट कार्ड होना चाहिए। एक तरफ से देखा जाए तो, नोटों को बनाने केलिए कागज का इस्तेमाल होता है और नकदी रहित व्यवस्था से हम इसको रोक सकते हैं।

भारत को आत्मनिर्भर होना है तो इस कदम को तहे दिल से पालना पडेगा क्योंकि उन्नत राष्ट्र जैसे चीन, अमरीका, जापान आदि में नकदी रहित व्यव्सथा ही है। इन सभी राष्ट्रों के उदाहरण को देखकर हमें अपने आप में सुधार लाना चाहिए।

2010 से यह व्यवस्था बहुत चर्चे में है क्योकि इसने नकदी पर डालते तनाव को कम कर दिया है। उसपर जो निर्भरता है, वो कम कर दी है।

हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। एक अच्छा और एक बुरा। नकदी रहित अर्थव्यवस्था का भी बुरा पहलू है। सोच लो की आप अपना पास कोड जो आपको अपने कार्ड से पैसा निकालने केलिए चाहिए, भूल जाओं तो? परिणाम गंभीर हो सकते हैं और तो और अगर किसी और को आपके कोड का पता चल जाए तो उसके परिणाम अतिनिराशा दायक हो सकते हैं। इसलिए चेतावनी बरतना अतिआवश्यक है।

किसी महानायक ने कहा था, कुछ पाने केलिए कुछ खोना पडता है, तो उन्नति के मार्ग में भारत को एक दो मुक्के तो खाने ही पडेगे। इन्हीं मुक्कों में से एक है- नकदी रहित अर्थ व्यवस्था। पहले तो कष्ट होगा लेकिन धीरे- धीरे समय के साथ सब कुछ ठीक हो जाएगा। जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सुवर्ण अक्षरों में लिया जाएगा कि कैसे इस एक कदम ने भारत की उन्नति की गति 0.8% से 1.26% बना दी।

हमारे पूर्वज भारत को सोने की चिडिया कहा करते थे। आज हम उस मुकाम तक पहुँच गए है जब यह वास्तविक हो सकता है। भारत असल में सोने की चिडिया बन सकता है। इस क्रांतिकारी कदम ने भारत को विश्व के महाराष्ट्रों की गिनती में जोड दिया है। शायद आज से 25 साल बाद एक ऐसा दिन आएगा जब भारत की गणना उन राज्यों में की जाएगी, जिन्हें हम पूरी तरह से उन्नत मानते हैं ताकि उन्नति की ओर बढते हुए राज्य। इतिहास गवां है कि जब भी क्रांति होगी, तब विकास होगा। बदलाव सभी केलिए अच्छे होते हैं। नकदी रहित अर्थव्यवस्था भी भारत जैसे जनतंत्र राष्ट्र केलिए बेहतरीन है। यह कहा जा सकता है कि स्वतंत्रता के बाद, यह भारत का सबसे भला निर्णय है।

(हिंदी पखवाडे के अवसर पर स्कूली छात्रों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख)

निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय,
बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।

अर्थ- जो हमारी निंदा करता है उसे अपने अधिकाधिक पास ही रखना चाहिए। वह तो बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को साफ करता है।

कबीरदास

स्वच्छ भारत अभियान

गौतमी अरविंद
सरस्वती विद्यानिकेतन

स्वच्छ भारत अभियान को क्लीन इंडिया केमपेन भी कहा जा सकता है। यह एक ऐसा आयोजन है जिसके अंदर भारत देश के अनेक इलाकों में स्वच्छता बढाने का लक्ष्य है। इस अभियान के अंदर देश में जगह- जगह पर शौचालय बनाया जाएगा और कचरे को सडक पर फेंकना मना किया जाएगा और इसका समय समय पर निरीक्षण भी किया जाएगा।

इस अभियान को हमारे भारत सरकार ने हमारे विकास और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शुरू किया है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इसका एलान 2 अक्तूबर 2014 मे हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी दी के जन्म दिवस का 145 सालगिरा पर किया था। इस अभियान को इसी दिन शुरू करने का वजह यह था कि हमारे भारत को स्वच्छ बनाना हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का सपना था। यह सपना गांधीजी ने देखा था और इस सपने को पूरा करने का दायित्व हमारे ऊपर है।

इस अभियान के ऊपर मेरा विचार यह है कि भारत हमारी मातृभूमि है। इसको साफ-सुधरा रखना हमारा दायित्व है तो यह अभियान हमारे देश के सरकार द्वारा शुरू किए गए सारे

अभियानों में से सब से महत्वपूर्ण अभियान है। हमारे देश एक बहुत ही विशाल देश है और इसकी आबादी तो अरब की संख्या से भी अधिक है। इतने ज्यादा आबादी के कारण हमारे देश के दैनिक कार्यों से ही आने वाले कचरा और गंदगी बहुत अधिक है। इस अधिक मात्रा में जो कचरा उत्पादित हो रही है क्या आपको लगता है इतने सालों से सही तरीके से निपटाया जा रहा

है? नही। हमारे देश में उत्पादित हो रहे कचरा हमारे देश के गली- गली में सडकों पर ही डाल दिया जाता है। इसे ठीक से निपटाया न जाने के कारण हमारे देश में बीमारियां इतना बढ गया है कि बच्चों से लेकर बूढों तक कोई भी सुरक्षित नही है। मुझे लगता हैं यह अभियान इस समस्या का हल भी निकालता है। इस अभियान के दौरान हमें कचरे को निपटाने का नए तोर तरीके मिलेगे जिससे हम अपने आस पास की जगह साफ रख सकते हैं साथ ही साथ बीमारियों से भी चुटकारा पा सकते हैं। खुले में शौच करने एक ऐसी समस्या है जो हमारे देश में पुराने समय से ही चलता आ रहा है। हमारे देश में ऐसी घटनाएं हमें हर जगह देखने को मिलते हैं जहा लोग खुले में ही, सडकों पर, बगीचों में आदि शौच करते हैं। इस समस्या का हल ढूंढना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि खुले में शौच करने से हमारे देश में पीने का पानी तक सुरक्षित नही बचा है। इस अभियान के दौरान जगह जगह पर शौचालय बनाया जा रहा है और शौचालय का उपयोग करने के महत्व को लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। इस अभियान के नेतृत्व मे देश के सरकारी दफ्तरों में भी इसका प्रभाव नजर आता है। स्वच्छता एक बहुत महत्वपूर्ण चीज है जिसका होना बेहद जरूरी है न केवल हमारे लिए बल्कि आने वाली पीढियों केलिए भी। नरेंद्र मोदी जी ने नौ ऐसे लोगों को चुना है जो अत्यंत प्रभावशाली है जैसे कि क्रिकेट स्टार सचिन टेंडुलकर और उनसे कहा गया है कि वो लोग भी आगे नौ लोगों को चुने और इस योजना का आगे बढाए जब तक पूरे देश के हर इंसान इसका भाग न बन जाए। उन्होने यह भी कहा है कि हम सबको इस योजना को सफल बनाने केलिए काम करना चाहिए और यदि हम किसी को खुले में शौच करते हुए या खुले सडकों में कचरा फेंकते हुए देखें तो उनको इस के बुरे असर के बारे में बताना चाहिए और उनको ऐसा करने से रोकना चाहिए।

मेरा मानना यह है कि नरेंद्र मोदी जी द्वारा कही हुई बात बिलकुल सही है। मगर मेरा विचार इस बात पर हो रही है कि हमारे अपने देश को स्वच्छ बनाने केलिए एक अभियान या एक योजना की जरूरत क्यों पडी? यह हमारा देश है इसको साफ करना हमारा कर्तव्य है और इसके लिए हमें किसी योजना की आवश्यकता नही पडना चाहिए यह जागरूकता हमारे अंदर के तन और मन से आना चाहिए। हम में से हर कोई यह सोचता है कि हम बडे होकर देश के हित में कुछ करेंगे मगर कोई ये क्यों नही सोचता कि हमें सबसे पहले अपने देश को स्वच्छ बनाना चाहिए। यह सोच हम में से हर कोई के मन में उमडना चाहिए, यही है इस अभियान का असली जीत। विद्यार्थी होने के नाते हम इस अभियान को बहुत तरीकों से आगे बढा सकते हैं, हम अपने विद्यालय में इसका प्रचार कर सकते हैं और हर कक्षा के बच्चों को यह शिक्षा दे सकते है कि स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण चीज है। हमें पहले हमारे कक्षा, विद्यालय और आस पास की जगहों को साफ रखना है फिर हमे दूसरों को भी यह करने की प्रेरणा देनी चाहिए।

मेरे हिसाब से यह अभियान हमारे नेताओ द्वारा लिए गए सारे अभियानों में से एक ऐसी अभियान है जो हमारे देश की तत्कालीन परिस्थिति को देखकर लिया गया है। इस अभियान को सफलता पूर्वक पूरा करना हमारा ही दायित्व है। हम इस काम को कल केलिए टाल नहीं सकते नाहि यह सोच सकते हैं कि यह कर्तव्य हमारा नही बल्कि किसी और का है। यह काम हमें ही करना है अपने देश केलिए अपनि मातृभूमि केलिए। हमारा देश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है मगर स्वच्छता के मामले में हम आज भी पीछे ही रह गए है। स्वच्छता के विषय में भी अपने देश को अव्वल हमें ही बनाना है। यह काम हम में से एक या दो के सोचने या करने से सफल नही हो सकता। हम सब को एक साथ मिलकर, एक छूट बनकर इस काम को पूरा करना है।

अंत में मैं यही कहना चाहूँगी कि मैं हमारे सरकार को धन्यवाद कहना चाहती हूँ । ऐसी महत्वपूर्ण योजना बनाने केलिए और अपने भाई- बहनों से विनती करती हूँ कि इस काम को पूरा करने में मेरी और सरकार की मदद करें और हमारे भारत को स्वच्छता के विषय में सबसे ऊपर लाकर खडा कर दें। ■

(हिंदी पखवाडे के अवसर पर स्कूली छात्रों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख)

पेड़ लगाएँ

शालिनी ए पै,
के वी द्रौणाचार्या

इस चित्र में हम देखते हैं कि एक छोटा सा पौधा लगाते हैं। यह बहुत खुशी का मौका है। पेड हमें क्या नहीं देते? फूल, फल, सब्जी इत्यादि। पेड, पौधे औषध भी देते हैं। पेड हमें ऑक्सिजन भी देते हैं। पेड वायु के शोधक हैं। वे हानिकारक कार्बन डाइ ऑक्साइड को संभालकर लाभदायक ऑक्सिजन छोड देते हैं। ऑक्सिजन ही जीवन है।

अत: पेडों की संख्या बढना चाहिए। मूढे लोग पेडों को काटकर फर्नीचर बना देते हैं। कभी वे फ्लाट बनाने केलिए जंगल से जंगल साफ कर देते हैं। यह मनुष्य का क्रूर स्वभाव है। लोग सोचते नहीं कि पोडों को काटने से उसका परिणाम क्या होगा। अभी- अभी लोग बहुत पेड काटते रहते हैं और लकडी से मकान बनाते हैं। यह कभी नहीं होना चाहिए। हर एक हिन्दुस्तानी को पेड लगाना चाहिए, अपनी इस धरती को हरा- भरा बनाना चाहिए।

आजकल बारिश के समय मिट्टी का बहाव भी हो रहा है। क्योंकि उन्हें पकडकर रखने केलिए पेड नहीं हैं। इसलिए पेडो की संख्या बढाना चाहिए, घटाना नहीं। अपनी इस धरती को सुरक्षित रखना चाहिए।

क्या हानि हैं पेड लगाने से? वे अपने लिए अपने आप खाना बनाते हैं। वे अपनी पत्तों में फोटोसिंतेसिस नामक प्रोसस से खाना बनाते हैं। इस प्रोसस में वे कार्बनडायोक्साइड को इस्तेमाल कर ऑक्सीजन छोडते हैं।

ऐसे वे हमें ऑक्सीजन देते हैं।

लेकिन इन पेडों को हम काटते रहते हैं। इसलिए आज हम यह बढती गर्मी में थोडी ठंडी हवा के लिए तडप रही है, तरस रहे हैं.....

आओ पेड लगाएँ हम.....

धरती को हरा भरा बनाएं हम.....

अगर पेड है तो जीवन हैं।'

तो बहनों और भाइयों चलो मेरे साथ.....

पेड लगाएँ हम.....

धरती को पवित्र बनाएं हम.....

यही यह चित्र बताता है।

जय हिंद।

(हिंदी पखवाडे के अवसर पर स्कूली छात्रों के लिए आयोजित चित्र क्या कहता है प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख)

लिफ्ट में लगा दर्पण

आदित्या विष्णु
श्रीमती धन्या के के, प्रबंधक का सुपुत्र

एक बार की बात है कि कहीं मरीना नामक एक औरत रहती थी। उनके पति का नाम है जैक और दो बच्चों के नाम थे जूलिया और रोस । वह एक अच्छी औरत थी और वे घर के सभी कार्य करती थी और वे घर में अच्छी तरह सभी का देखभाल करती थी।

एक दिन वे सभी मेक्कोर नामक एक शहर के दौरे केलिए गए थे। वे एक फ्लैट में रहे जो कि एक नया ब्रांड का था और टाउनशिप में तीन इमारतें थीं । वह गर्भवती थी । हर दिन वे सभी अगले शहर तक चलने केलिए जाते थे । वे गर्भवती होने के कारण, वह सीढियों पर चढ नहीं सकी । वह लिफ्ट के द्वारा चला गया जो छोटा था और केवल दो व्यक्ति ही जा सकते थे । उस लिफ्ट में एक दर्पण था । मरीना उस लिफ्ट में गयी । कुछ देर बाद, जब वे प्रथम तल में पहुँचे तो लिफ्ट अटक गया और रोशनी एवं सब कुछ चला गया । कुछ पल के बाद, उस दर्पण से कुछ निकल आया, जो बहुत ही डरावना था और उसने उसका आधा खून पी लिया और उसका आधा खून वापस दिया और वह बेहोश हो गई । तब लिफ्ट आगे बढने लगी और निचले तल तक पहुंच गई । जब जैक ने मरीना को बेहोश देखा तो वह उसे अस्पताल ले गया ।

"वह ठीक है ।" "यह इसलिए हुआ है कि वह गर्भवती है ।" डॉक्टर ने सूचित किया ।

वे खुशी से घर गए ।

"कौन अगला आ रहा है, एक लडका या लडकी ?" बच्चों ने अपनी मां से पूछा ।

उसने जवाब नहीं दिया । उसने अजीब व्यवहार किया । जब वे घर पहुंचे तो वह किसी से बात नहीं कर रही थी । परिवार में हर कोई डर गया और उन्हें नहीं पता था कि उसको क्या हो रहा था । जैक और बच्चों ने नौकरों से पूछा कि मरीना को क्या हो रहा है, इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे । नौकरों ने उनसे कहा कि 2 साल पहले वहां एक इमारत थी और एक लडकी को भी यही बात हुई थी और उसे विवान नामक व्यक्ति द्वारा बचाया गया था । तब जैक और बच्चों ने इस व्यक्ति के पास जाने का और क्या वह मरीना को बचा सकता है, यह पूछने का निर्णय लिया । उन्होंने विवान और उस लडकी को देखा जिसे उन्होंने बचाया था ।

"आपका नाम क्या है ?" उस लडकी से पूछा ।

उसने बताया कि उसका नाम मरीना है ।

हां ।"यह मेरी पत्नी का नाम है" । जैक ने जवाब दिया ।

जैक और बच्चों ने मरीना और विवान से समस्या के बारे में बताया ।

"लिफ्ट ही समस्या है" । विवान ने जवाब दिया ।

मरीना ने बताया कि उसके मालिक ने इस भयानक लिफ्ट को बदल दी है । विवान ने कहा कि मुझे लगता है कि कंपनी ने लिफ्ट को फ्लैट के मालिक को बेच दिया है जिस पर आप रह रहे हैं । वे सभी जैक की पत्नी मरीना को देखने गए । जब वे फ्लैट पहुँचे तो वे ठीक थी ।

"हमें कुछ अतिथियां हैं" । जैक ने मरीना से कहा ।

"वे कौन हैं और वे यहां क्यों आए हैं ?" मरीना ने जैक से पूछा।

"वे मेरे दोस्त हैं और वे मुझसे मिलने और यहां दो या तीन महीने केलिए रहने केलिए आए हैं ।" जैक ने जवाब दिया ।

"आपका नाम क्या है ?" उसने मरीना से पूछा ।

"मेरा नाम मरीना है ।" उसने जवाब दिया ।

क्या ! मेरा नाम भी मरीना है । मुझे पता है कि आपका नाम मरीना है क्योंकि जैक ने आपके बारे में इतनी सारी बातें बताई हैं। कुछ पल के बाद उसने अजीब तरीके से व्यवहार किया और कुछ मिनट के बाद उसने प्लेटों को नीचे रखना शुरू कर दिया और जोर से शोर मचाया ।

"उसे बांधो" । विवान ने जोर से चिल्लाया ।

"जल्दी आओ, हमें अपने घर से एक किताब लेने की जरूरत है।" विवान ने चिल्लाया ।

वे सभी विवान के घर गए थे । विवान ने पुस्तक पढा । जैसे ही उसने किताब पढी, उसने चिल्लाकर कहा - ओह, मेरे भगवान !

"यह क्या है ?" "क्या हुआ ?" जैक ने पूछा ।

हम केवल एक बार वर्तनी का उपयोग कर सकते हैं और मैंने इसे पहले ही मरीना के साथ उपयोग किया है । विवान ने जवाब दिया ।

इस पुस्तक में भी लिखा गया है कि हम मेरे पिता की गुप्त लैब में एक और पुस्तक प्राप्त कर सकते हैं । मुझे पता है कि यह कहां है, लेकिन हमें मेरे पिता के उंगली प्रिंट की जरूरत है, अन्यथा इसमें प्रवेश करना मुश्किल है । "हम क्या करेंगे"? जैक ने पूछा ।

"हमें कुछ करना होगा" । विवान ने जवाब दिया ।

कुछ दिनों के बाद वे फिर से मिले और उन्होंने फैसला किया कि वे पुस्तक लेने केलिए आज ही जायेंगे । उन्होंने 2.30 बजे यात्रा शुरू की और वे 4.00 बजे पर लैब पहुँचे । वे अंदर गए। जैसे ही वे अंदर आ गए, अलार्म बज गया । बंदूकें उन्हें गोली मारना शुरू किया । वे भाग गए । जब वे किताब के करीब थे, तो एक गोली विवान के कंधे पर लग गया । लेकिन वह ठीक था, फिर भी, बहुत दर्द हो रहा था । उन्हें किताब मिली और लैब से बाहर भाग गए, लेकिन लैब पूरी तरह से बिगडा हुआ था । वे सभी फ्लैट में भाग गए । जब वे वहां पहुंचे तो मरीना कमरे में सबकुछ नष्ट कर रही थी । कुछ पल के बाद, विवान ने जैक को पकडने केलिए कहा । जैक ने उसे पकडा और विवान ने पुस्तक में लाइनों को पढना शुरू कर दिया । जब वह पढना समाप्त किया, तब वह ठीक हो गयी । "यह क्या है?" "यहां क्या हुआ?" मरीना ने पूछा ।

"मैं आपको सबकुछ बताऊँगा" । जैक ने जवाब दिया ।

जैक ने जो कुछ भी हुआ उसे बताया । मरीना और जैक ने मरीना के जीवन को बचाने केलिए विवान को बहुत धन्यवाद दिया । इसके बाद जैक और मरीना खुशी से रहने लगे । ■

हमारी सुरक्षा, हमारी ज़िम्मेदारी...

यूसफ ए के
सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी

आज सुबह हमने कार्यालय जाते समय रास्ते में पुत्तनकुरिशु के पास एक वाहन दुर्घटना देखा । सच में, इस घटना ने हमें चौंका दिया । हमारी गाडी के सामने मुवाट्टुपुषा का एक परिवार अपनी कार होंडा जास में एर्णाकुलम जा रहे थे, तब अचानक ही कार के पास से ही जा रहे बाइक से कार टकरा और झटपट कार दायें की ओर मुडा, तब उस तरफ से आए कोरोला आल्टिस कार से टकरा गयी । टकराहट से उस कार के सामने वाली टायर उतर गयी। तब हम अपनी गाडी से निकलकर उस कार की ओर दौडे। कार में हमने चेहरे से रक्त बहनेवाली, रोती हुई एक छोटी-सी लडकी को देखा । जल्दी ही हमने गाडी से उन लोगों को बाहर निकाल लिया और अपनी गाडी में लेकर कोलेंचेरी मेडिकल मिशन अस्पताल में ले गये। टकरे गए दूसरी गाडी में तो याकोबाया सभा के जोसफ मार ग्रिगोरियस तिरुमेनी थे। वह सुरक्षित था। अस्पताल में भर्ती किए परिवार भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ था।

एक दुर्घटना सीधे देखते हुए, मैं मुख्य रूप से दो बातें व्यक्त करना चाहता हूँ :

- यात्रा करते समय आप सभी अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट पहन लें । यह न भूलें कि यदि नई गाडी में भी सीट बेल्ट न पहनते हैं, तो, एयर बैग दुर्घटना के समय न खुलेंगे ।
- एयर बैग सहित कारों का उपयोग करें ।

यहां तिरुमेनी किसी चोट के बिना बचने का मुख्य कारण उन्होंने उस समय सीट बेल्ट पहने हुए थे और उनकी गाडी में एयर बैग भी था । यात्राएं आकाश में उठी एक छडी की तरह है । सावधान रहें !!!

चिकन विंदालू

लया अलेक्स
उच्च प्रशिक्षार्थी

आवश्यक सामग्रियां

1.	टुकडे किए चिकन	-	500 ग्राम
2.	दालचीनी	-	2 (छोटा)
3.	लौंग	-	2 (छोटा)
4.	इलायची	-	2 (छोटा)
5.	प्याज	-	1 (बडा)
6.	हरी मिर्च	-	3
7.	कड़ी पत्ता	-	20 पत्ता
8.	कश्मीरी मिर्च	-	1 चम्मच
9.	लाल मिर्च	-	1 चम्मच
10.	हल्दी पाउडर	-	एक चुटकी
11.	लहसुन	-	8 कली
12.	अदरक	-	छोटी टुकडा
13.	सरसो	-	1/4 छोटी चम्मच
14.	सिरका	-	2 बडा चम्मच
15.	टमाटर	-	1
16.	तेल, नमक	-	आवश्यकतानुसार

विधि

चिकन विंदालू बनाने केलिए सबसे पहले एक कढाई में तेल गरम करें । इसमें 2 से 4 तक की सामग्रियों को डालकर कुछ पल तक पकने दें । इसके बाद इसमें 5 से 7 तक की सामग्रियों को डाल दें और प्याज के सुनहरा होने तक पका लें । 8 से 13 तक की सामग्रियों को आवश्यकतानुसार सिरके के साथ मिलाकर एक पेस्ट बना दें । इस पेस्ट को प्याज के साथ मिलाकर सेक लें । आगे इसमें टमाटर डाल दें और कुछ समय के बाद चिकन और आवश्यक नमक इसमें डालें और कढाई को ढकें और कुछ समय केलिए पकने दें । पक जाने के बाद, गरमा-गरम परोसें ।

राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े विविध कार्यकलाप

- केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा हिंदी में आयोजित निबंध लेखन और टंकण (यूनिकोड) में कर्मचारियों ने भाग लिया।
- हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग द्वारा कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने केलिए बेसिक प्रशिक्षण में श्री टिल्सन तोमस, कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक को नामांकित किया गया।
- कंपनी सचिव का कार्यालय, समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान (मेटी) सामग्री, विपणन और कार्मिक एवं प्रशासन विभाग में राजभाषा निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 19 नवंबर 2017 को हिंदी शिक्षण योजना द्वारा आयोजित पारंगत परीक्षा में 23 कर्मचारियां उपस्थित हुए। सभी 23 कर्मचारियां उत्तीर्ण हुए और उन्हें नकद पुरस्कार प्रदान किया गया ।
- दिनांक 16 जनवरी 2018 को बीएसएनएल भवन में आयोजित तकनीकी कार्यशाला में श्रीमती आतिरा आर एस, हिंदी टंकक ने भाग लिया।
- दिनांक 02 अप्रैल 2018 से 14 मई 2018 तक केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो , बंगलूरू द्वारा आयोजित होने वाली अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में श्रीमती आतिरा आर एस, हिंदी टंकक को नामित किया गया है।
- कोच्ची टॉलिक (कार्यालय) और (उपक्रम) के तत्वावधान में केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बंगलूरू द्वारा एक सप्ताह केलिए आयोजित हिंदी अनुवाद प्रशिक्षण में श्रीमती आतिरा आर एस, कोड सं. 4155 ने भाग लिया।
- दिनांक 15 अगस्त 2017 को स्वतंत्रता दिवस के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हिंदी गृह पत्रिका 'सागर रत्न' का प्रकाशन किया गया।
- दिनांक 22 अगस्त 2017 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया।
- मई 2017 के दौरान आयोजित प्राज्ञ परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया और प्राज्ञ परीक्षा में भाग लिए 30 कर्मचारियां और प्रवीण परीक्षा में एक कर्मचारी विजयी घोषित किए गए।
- दिनांक 18 सितंबर 2017 को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली द्वारा सार्वजनिक उपक्रमों में राजभाषा के कार्यान्वयन से संबंधित बैठक में महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) ने भाग लिया।
- वर्ष 2016-17 के दौरान कार्यालय के हिन्दी पुस्तकालय में हिंदी पुस्तकों की खरीद केलिए 9600 की राशि व्यय की गई।
- दिनांक 24 से 28 जुलाई 2017 को हिंदी शिक्षण योजना द्वारा आयोजित हिंदी कंप्यूटर में बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में दस कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्हें नकद प्रोत्साहन भी दिए गए।

ज़िन्दगी के अंदाज़

इग्नेशियस बेबी
उच्च प्रशिक्षार्थी

इस मित्र के बारे में बताने से पहले गोविंद नामक एक नटखट मित्र के बारे में सबसे पहले बताना होगा। डिग्री की पढाई के समय मेरे पास सीधे आकर मुलाकात किए व्यक्तियों में से एक व्यक्ति। उसके स्वभाव से वे हर किसी से सीधे आकर बातें करनेवाला था। चार वर्षों की पढाई के दौरान ये मित्र क्रमसंख्या वार निकट होने के कारण एक ही ग्रूप में आते थे। इसी तरह अंतिम बेंच की दोस्ती बढती गयी। तब उस अवसर पर मैंने गोविंद की मां के बारे में सुना। इसके पहले मैं ने रोडून (रोणी) जो अंग्रेजी अध्यापक थे, की मां के बारे में सुना था। मैं भी रोडून के घर में गया था लेकिन मैंने भी अभी तक उसकी मां को वहां कभी नहीं देखा है।

गोविंद कोट्टक्कल निवासी है। वह मां के घर से कॉलेज आता था। उसकी मां के घर चालक्कुडी पुषा के किनारे मुरिंङूर के पास है और यह जातिफल, नींबू का पौधा, केले आदि जैसे वृक्षवाटिकों के बीच में है। उसकी दादी को सभी लोग जानते थे। यह वह है जिसने मुझे दावत में हरेक पकवान कैसे, कहाँ, किसलिए है, के बारे में, सही जानकारी प्रदान की थी। उसके शरीर और मन को उम्र ने नहीं छुआ था। उसकी पत्नी चेरप्पुलश्शेरी की है। ' केरल के नेल्लरा' उसकी सुंदरता, वहां के लोगों की भलाई आदि के बारे में किताबों तथा समाचार पत्रों में से हमने जान लिया है। उस समय पालक्काड के साथ अच्छी तरह से दोस्ती रखने वाले सफदर नामक एक मित्र भी थे। पालक्काड के एक कोने में होने पर भी चेरप्पुलश्शेरी भी मूल्यों को न खोनेवाले मानव की भूमि है। उस जगह से आने पर भी दादी अभी भी चेरप्पुलश्शेरी के ही है।

दोनों बहुत अधिक बातें करने वाले थे। दादी एक अच्छी पाचक है, उसके द्वारा बनाए गए सेमिया खीर के स्वाद अभी भी जीभ में है। जब पहली बार दोनों से मिलकर वापस आये तब उनके द्वारा दिए आम और नींबू की स्वाद भरी यादें मृत्यु ही भुला सकते हैं। बारंबार वहां जाने पर भी, केवल कोट्टक्कल में ही अध्यापिका रही उनकी मां को कभी नहीं देखा है। गोविंद से दोस्ती होने में अधिक समय नहीं लगा। एक बार घर जाते समय, पहले ही दोस्त रहे व्यक्ति की तरह वह बातें करने लगी। इस प्रकार उस शाम को बहुत सारे बातें हमारे बीच होने लगी। इसी बातचीत के बाद हम अच्छे दोस्त बन गए। परिवार का ही एक सदस्य बन गए।

मां रहते समय चालक्कुडी में कई बार गया हूँ। एक बार जाते समय मनु भी मेरे साथ आया था। उस समय उसे भी गोंविद नामक व्यक्ति के ऊर्जा, ज्ञान स्रोत के बारे में सही तरह से पता चला था।

माता-पिता और बच्चों के बीच एक दोस्ती कायम रखना है, दोस्त के तरह रहना है, इस तरह की बातें नव युग की निर्माताएं कहती हैं, फिर भी आदर और प्रथाओं की सीमा के परे यह दोस्ती नहीं बढती। यह दोस्ती गोविंद के जैसे घरों में ही हम देख सकते हैं।

समाज में एक अच्छे मानव के रूप में और अपनी राय व्यक्त करने केलिए यह दोस्ती संघ काफी मदद करेगा। मनु में रहे अच्छे गायक को भी उस दिन सभी ने बाहर निकाला था। एक ही परिवार के सदस्य सभी का एक समान व्यवहार करना, बहुत बढिया बात है। सुना कि उस दिन स्विज रलान्ड में रहने वाली मौसी आई थी। कैसे उनसे बातें करेंगे। बचने केलिए कुछ अंग्रेजी पढकर मैं वहाँ गया। लेकिन सब गडबढ हो गया। वे लोग तो मलंपुष्षा शैली (इसमें कुछ तृश्शूर शैली भी मिलाकर) में बातें कर रहे थे। उसी शैली में मलयालम बोलने में बडी मुश्किल लगी। मौसी और बेटी के वजह से ही मनु ने गीत गाया था। (जिन्दगी में वे पहली बार हमें मिल रहे हैं)। उनमें किसी को भी हरा देनी वाली ऊर्जा भरी हुई थी। उनकी भोली सी मुस्कुराहट भरा चेहरा था। चाणक्य के पैरन्टिंग अवधारणाओं को अब बदलने की जरूरत है।

हर बच्चे अपने माता- पिता से सभी कार्य खुले बताने से आज के माध्यमों में आनेवाले सभी बुरी खबरे भविष्य में अच्छी खबरों के रूप में परिवर्तित हो जाएगी। ■

आयुर्वेद के ज़रिए जीवन शैली क्रमभंगों का प्रबंधन

डॉ विन्सी रंजन
श्री रंजन वी, प्रबंधक की सुपत्नी

जीवन-शैली क्रमभंग आधुनिक समाज का एक अभिशाप है । पहले, बैक्टीरिया और वायरस बीमारियों का मुख्य कारण था । लेकिन, आजकल, हमारी जीवन शैली हमारे ही जीवन के सबसे बडा खतरा बन गया है । जीवन शैली क्रमभंग "सभ्यता की बीमारी" के रूप में भी जाना जाता है । जैसे कि नाम से पता चलता है, जिस तरह से हम अपना जीवन जीते हैं, इसी तरीके से जीवन शैली क्रमभंग उत्पन्न होता है । मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सिरोसिस, आस्मा, हृदय रोग, रक्त में वर्द्धित कोलेस्ट्रॉल का लेवल, मेटबालिक सिन्ड्राम, क्रोनिक रीनल फेल्यर, अस्थि-सुषिरता, स्ट्रोक, कैंसर, डिप्रेशन आदि जीवन शैली बीमारियों का संक्षिप्त सूची है ।

आयुर्वेद एक समग्र विज्ञान है जो बीमारियों को रोकने में स्वस्थ जीवन शैली के महत्व पर जोर देता है । आयुर्वेद दिनचर्या प्रत्येक व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए, चाहे उनके शरीर का प्रकार, आयु, लिंग या स्वास्थ्य का स्तर कोई भी हो ।

दिनचर्या के क्रम और लाभ

क्रम सं.	दैनिक पथ्य	लाभ
1.	उठने का समय (ब्रह्म मुहुर्त)	सूर्योदय से लगभग 96 मिनट पहले। यह, पौधे में श्वसन और प्रकाश संश्लेषण के बीच एक अंतराल अवधि का समय है । वहां प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन होगा, जो आसानी से हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर ऑक्सीहीमोग्लोबिन बनता है, जो रिमोट ऊतकों तक पहुँचता है और इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है ।
2.	ठेलना	अपशिष्ट उत्पादों से विषाक्त पदार्थों को उचित चयापचय केलिए शरीर से हटा दिया जाना चाहिए ।
3	अपने दांतों को ब्रश करें	आयुर्वेद आचार्यों ने ब्रशिंग केलिए नीम, आम जैसे पौधों के छडी का उपयोग करने केलिए सिफारिश की है। ये एलर्जी रियाक्शन और म्यूकोसल जलन को कम करने में मदद करता है ।
4	जीभ की सफाई	जीभ स्क्रैपिंग कीटाणु जो बुरी सांस में योगदान देती है, को खत्म करने में प्रभावी है ।
5	मुंह के अंदर गर्म तिल का तेल दस मिनट केलिए भरकर रखें ।	ऑरल म्यूकोसल मेम्ब्रेन को लिपिड सोल्युबल ड्रग्स अवशोषित करने की क्षमता है । अतः यह जीभ की संवेदी और मुख्य कार्यों को बढाता है, रक्त प्रवाह उत्तेजित करता है, तनाव से छुटकारा देता है, मुख के समग्र आकार में सुधार लाता है ।

क्रम सं.	दैनिक पथ्य	लाभ
6	प्रत्येक नाक में अनुतैल्या की दो बूंद डाल दें ।	यह ताकत को बढावा देता है और सिर एवं गर्दन की बीमारियों को रोकता है ।
7	औषधीय तेल के साथ मालिश ।	यह रक्त परिसंचरण को बढाता है और शरीर में ऑक्सिजन एवं पोषक तत्वों को बेहतर रूप में फैलाता है । यह तंत्रिका को उत्तेजित करता है और घायल एवं अतिरंजित मांसपेशियों को आराम देता है । त्वचा के रंग को बढाता है ।
8	व्यायाम	हरेक की क्षमता की आधे सीमा तक किए व्यायाम को आयुर्वेद में फायदेमंद माना जाता है । पाचन शक्ति बढता है और शरीर हल्का बन जाता है । व्यायाम करने से जीवन शैली की बीमारियों का खतरा बहुत ही कम हो जाता है ।
9	स्नान	शरीर को गर्म पानी के साथ और सिर को ठंड पानी के साथ साफ करना चाहिए ।

आयुर्वेद के तीन आधार स्तम्भ

आयुर्वेद, भोजन, शयन और सदाचरण को जीवन के तीन आधार स्तम्भ के रूप में मानता है । ये जीवन और स्वास्थ्य के रखरखाव केलिए महत्वपूर्ण अनुकूल कारक हैं ।

भोजन

रोज़ाना दो बार लिए गए भोजन एक साधारण व्यक्ति केलिए उपयुक्त है । भोजन सुबह 9 बजे और 12 मध्याह्न के बीच लिया जाना है और शाम को 6 बजे और 7 बजे के बीच लिया जाना है । दो निकटतम भोजन लेने के बीच कम से कम 3 घंटे अंतराल होना चाहिए । अधिक फल और सब्जियां लें । छोटी मात्रा में मांस और स्किम्मड डायरी उत्पादों का उपभोग करें । तला हुआ (फ्राइड) भोजन का सेवन कम करें । कैलोरी बेब्रिजिज के बजाय पानी पीएं ।

शयन

एक वयस्क को प्रतिदिन कम से कम 6-8 घंटे सोने की आवश्यकता होती है । अजीर्ण, सिरदर्द और मलबंध आदि अनुचित नींद के कारण होने वाले अव्यवस्थाएं हैं । यह तंत्रिका तंत्र पर भी असर डाला जा सकता है, जिससे उत्कंठा और निराशा उत्पन्न होता है ।

योगा

योग के नियमित अभ्यास से कोई भी अपने भीतर के आत्मा से गहराई से जुड सकता है । योगा के विविध आसन शरीर को मजबूत करते हैं, मेडिटेशन ध्यान केन्द्रित करता है और प्राणायाम मन को शांत करता है ।

निष्कर्ष

उपर्युक्त बताए कार्यों के जरिए हम आसानी से जीवन शैली बीमारियों को रोक सकते हैं । अब हम जो निर्णय लेते हैं, वह बाद के जीवन में हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा । आयुर्वेद हमें याद दिलाता है कि स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण, शरीर, दिमाग और भावना के बीच संतुलित और गतिशील एकीकरण है ।

बाल रचनाएं

अद्वैत एम बाबु
श्रीमती आषा टी एन
का सुपुत्र

आरती एम बाबु
श्रीमती आषा टी एन
की सुपुत्री

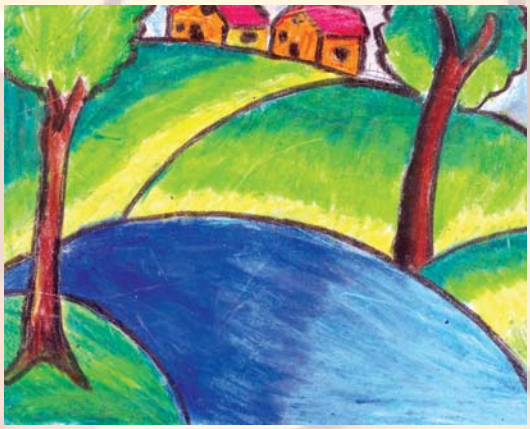

राधिका आर नायर
श्रीमती बिन्दु कृष्णा,
वरिष्ठ प्रबंधक (कानूनी) की सुपुत्री

नेहा के बी
श्रीमती सरिता जी
सहायक प्रबंधक (हिंदी) की सुपुत्री

गौरीनंदन
श्रीमती आतिरा आर एस
हिंदी टंकक का सुपुत्र

സീഎസ്ആർ - झलकियाँ

പുനഃസൃഷ്ടി

*कोचीन शिपयार्ड में निर्मित प्रथम पोत **रानी पद्मिनी** का जलावतरण - वर्ष 1980*